



# विश्व के सरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना को 2-1 से हराया...

@ विचार स्तरहीनता एवं विरोध की भाषा में उलझती कांग्रेस...

@ व्यापार शेयर बाजार ने जोरदार की वापसी...

## खड़े ट्रक से टकराई बस, 5 की मौत



बलौदाबाजार ■ ताराचंद काटोत्रे

बलौदाबाजार जिले में बिलासपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर ग्राम दरचुरा के पास सोमवार की सुबह बस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। 3 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं 2 घायलों ने रायपुर में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। घटना में 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सुबह करीब 5:30 बजे अंबिकापुर से रायपुर जा रही रॉयल कंपनी की सवारी बस सड़क पर खड़े ट्रक से पीछे से टकरा गई।

हादसे में एक यात्री का पैर कटकर अलग हो गया। बस में फंसे यात्रियों को गैस कटर की मदद से बाहर निकाला गया। हादसा सिमागा थाना क्षेत्र में इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास हुआ। जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाईवे पर एक ट्रक खराब हो गई थी। सुरक्षा के लिए ट्रक के पास स्टॉप लगाया गया था। इसी दौरान अंबिकापुर से

रायपुर जा रही बस (CG04 NM 0859) ट्रक के पीछे से टकरा गई। बस में 22 यात्री सवार थे। हादसे में जशपुर निवासी ड्राइवर भागीरथी यादव (37), बलरामपुर निवासी हेलपर पवन देवांगन (24) और बलरामपुर के ही यात्री समीम मोहम्मद (39) की मौत हो गई। वहीं बलरामपुर के रहने वाले अतुल कुमार (33) और रायगढ़ के रहने वाले सुंदर लाल (49) साल को रायपुर एम्स और मेकाहारा रेफर किया गया था, जहां दोनों की मौत हो गई है।

गैस कटर से निकाले गए बस में फंसे यात्री

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस बल, एंबुलेंस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। टक्कर के बाद कुछ घायल यात्री बस में फंस गए थे। उन्हें गैस कटर और अन्य उपकरणों की मदद से बाहर निकाला गया।

## हमारे कर्मयोगी कार्यकर्ता ही हमारी सच्ची पूंजी: स्मृति इरानी

दो दिवसीय चिंतन में आत्ममंथन, अपनी प्राथमिकताओं को पुनः रेखांकित करने पर दिया जोर

संवाददाता ■ रायपुर

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री व छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी ने अपने दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के दूसरे दिन की बैठकों को सम्बोधित करते हुए कहा है कि यह दो दिवसीय चिंतन का यह अवसर आत्ममंथन, अपनी प्राथमिकताओं को पुनः रेखांकित करने और उस संकल्प को दोहराने का है, जिसने भारतीय जनसंघ से लेकर आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने तक हमारे हर कदम को दिशा दी है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता कर्मयोगी है उनके कर्मयोग से ही संगठन हमेशा मजबूत होता है। यह राष्ट्र प्रथम के विचार और कार्यकर्ताओं के निःस्वार्थ पसीने से सिंचित वैचारिक आंदोलन है। हमारी रीति-नीति 'एकात्म मानववाद' और 'अन्योदय' की उस भावना से बंधी है, जहाँ अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का उथान ही हमारी सफलता का पैमाना है। इस यात्रा में



जिस तत्व ने हमें सबसे अलग और अडिग बनाया है, वह है हमारा 'अनुशासन' है। पद बदलते रहेंगे, दायित्व आते-जाते रहेंगे, लेकिन कार्यकर्ता सदैव स्थायी होता है। सार्वजनिक जीवन में जब आप और हम खड़े होते हैं, तो लोग केवल एक व्यक्ति को नहीं देखते, वे भारतीय जनता पार्टी की मजबूत विचारधारा से जुड़े होते हैं। सादगी

हमारे सार्वजनिक जीवन का स्थायी आभूषण होनी चाहिए। प्रदेश प्रभारी इरानी ने कहा कि आज तकनीक का युग है, सोशल मीडिया पर संवाद जरूरी है, लेकिन वह कभी जमीनी स्पर्श का विकल्प नहीं हो सकता। हमें गांव-गांव, पारा-टोला और बस्तर से लेकर सरगुजा तक जन-जन से सघन संपर्क साधना होगा और आमजन

के सुख-दुख में उनकी चौखट पर और मजबूती से खड़ा होना, उनकी बात को सुनना और समाधान तक पहुंचाना, यही कार्यकर्ता का सच्चा धर्म है। जब कार्यकर्ता जनता के बीच बिना किसी औपचारिकता और सादगी के साथ बैठता है, तब संगठन परिवार बन जाता है। प्रदेश प्रभारी इरानी ने कहा कि छत्तीसगढ़

की देवतुल्य जनता ने हम पर गहरा विश्वास जताया है। यह विश्वास एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी लेकर आया है। आगामी समय में हमें न केवल इस भरोसे को बनाए रखना है, बल्कि संगठन के विस्तार को प्रत्येक बूथ तक ले जाकर अभेद्य बनाना है। छत्तीसगढ़ जितना सुंदर है उतने ही सुंदर व सुशील यहां के कार्यकर्ता हैं। हम सबके पराक्रम व परिश्रम से फिर से छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनेगी। यह हम सबका संकल्प है।

दिनभर चला बैठकों का दौर भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी के दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर (प्रदेश भाजपा कार्यालय) में बैठकों का सघन दौर चला। उन्होंने आगामी राजनीतिक रणनीतियों को गति देने के उद्देश्य से मौजूदा विधायकों, लोकसभा एवं राज्यसभा सांसदों, प्रदेश मंत्रिमंडल और भाजपा कोर ग्रुप के साथ चरणबद्ध बैठकें कीं।

## जल, थल व वायुसेना के लिए 2.12 लाख करोड़ रुपए के रक्षा सौदों को मंजूरी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सशस्त्र बलों की क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 2.12 लाख करोड़ रुपए की रक्षा खरीद के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इन प्रस्तावों में सेना के लिए आधुनिक तोप प्रणाली, हल्के हेलीकॉप्टर, वायु रक्षा प्रणाली और लंबी दूरी तक

मारने करने वाले ड्रोन शामिल हैं। वहीं, नौसेना के लिए मिसाइलों से बचाव की क्षमता बढ़ाने वाली प्रणाली और आधुनिक युद्धपोतों सहित प्रमुख नौसैनिक प्लेटफॉर्म की खरीद को मंजूरी दी गई। वायु सेना के लिए हेलीकॉप्टर, वायु रक्षा प्रणाली, हथियार और



मौसम की निगरानी करने वाले खबर खरीदे जाएंगे। सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में यह फैसला लिया गया। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने इन प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। यह रक्षा खरीद की प्रक्रिया में शुरुआती

मंजूरी है। खास बात यह है कि कुल स्वीकृत प्रस्तावों में से लगभग 82 प्रतिशत खरीद भारतीय उद्योग से की जाएगी। इससे देश में रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलने के साथ सशस्त्र बलों को आधुनिक उपकरणों से लैस करने में मदद मिलेगी।

## ब्रिक्स संसदीय मंच से वैश्विक व्यवस्था को दिशा देने में संसद की भूमिका पर जोर: ओम बिरला



एजेंसी ■ नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच से संसद की जिम्मेदारी और उसकी अहमियत पर बात की। संसद भवन परिसर स्थित संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि इस वर्ष ब्रिक्स संसदीय मंच की स्थापना के 20 वर्ष पूरे हो रहे हैं। संगठन का तेजी से विस्तार हो रहा है और इसके साथ ही वैश्विक घटनाक्रमों को प्रभावित करने की इसकी क्षमता भी बढ़ रही है। ओम बिरला ने सदस्य देशों का स्वागत करते हुए कहा, 'भारत के

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स को समाधानों का इको सिस्टम मानने की आवश्यकता पर बल दिया है। हमारी सफलता सिर्फ चर्चाओं पर नहीं बल्कि उसके परिणामों पर मापी जाएगी। हमें साझा एजेंडे को तैयार करने का संकल्प लेना चाहिए, हमारी राष्ट्रीय परिस्थितियां और दृष्टिकोण भिन्न हो सकते हैं लेकिन आक्षाएं समान हैं। जो शांति, सुरक्षा, परस्पर सम्मान, समान अवसर और अपने नागरिकों के लिए बेहतर जीवन है।'

उन्होंने आगे कहा, मुझे विश्वास है कि ब्रिक्स संसदीय मंच हमारी साझेदारी को सुदृढ़ करेगा।

अधिक समावेशी और शांतिपूर्ण और सतत विश्व के निर्माण में सार्थक योगदान देगा।

बिरला ने आगे कहा, दुनिया की लगभग आधी आबादी और पृथ्वी के करीब एक-तिहाई भूभाग का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्रिक्स देशों की वैश्विक अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच भौगोलिक स्थिति, संस्कृति, भाषा और सामाजिक संरचना के स्तर पर भिन्नताएं हो सकती हैं, लेकिन साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवता के प्रति समान जिम्मेदारी उन्हें एकजुट करती है।

जिम्मेदारियों का जिक्र करते हुए उन्होंने आगे कहा, ब्रिक्स देशों की सामूहिक ताकत के साथ वैश्विक जिम्मेदारियां भी जुड़ी हुई हैं। ऐसे में सदस्य देशों के बीच सहयोग, संवाद और साझा उद्देश्यों के आधार पर आगे बढ़ना महत्वपूर्ण है।

लोकसभा स्पीकर ने कहा, हमें साथ मिलकर संसदीय सहयोग के जरिए एक ऐसी कार्ययोजना का निर्माण करना होगा।

## छत्तीसगढ़ में गोवर्धन पूजा पर सार्वजनिक अवकाश घोषित



संवाददाता ■ रायपुर

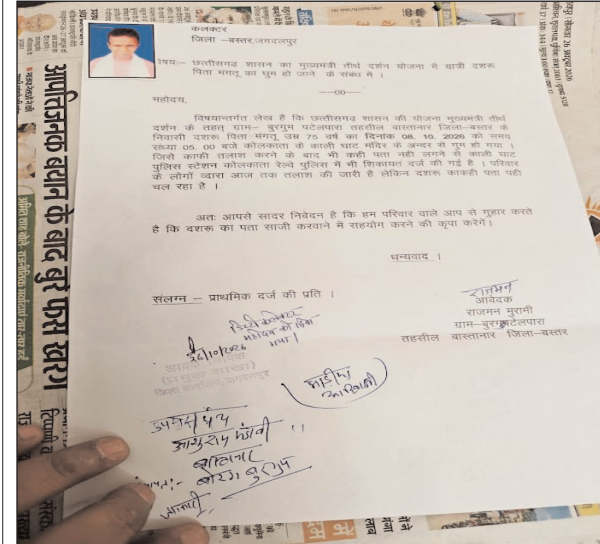
छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य के कर्मचारियों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए दीपावली का दूसरा दिन (गोवर्धन पूजा) के पावन अवसर पर सार्वजनिक/सामान्य अवकाश की घोषणा की है। राज्य शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस वर्ष यह अवकाश 09 नवंबर 2026 (दिन-सोमवार) को रहेगा।

पहले था ऐच्छिक अवकाश, अब हुआ सार्वजनिक अवकाश सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना (क्रमांक GENS-2101/3340/2026-

GAD-5) में बताया गया है कि इससे पहले विभाग की अधिसूचना दिनांक 06 नवंबर 2025 के जरिए इस पर्व को ऐच्छिक अवकाश की सूची में (सरल क्रमांक-50 पर) दिनांक 09 नवंबर, 2026 (सोमवार के लिए) घोषित किया गया था। अब शासन ने इसमें संशोधन करते हुए इसे सार्वजनिक/सामान्य अवकाश में परिवर्तित कर दिया है। इस आधिकारिक घोषणा के बाद अब 09 नवंबर 2026 को राज्य में सभी संबंधित शासकीय कार्यालयों और संस्थानों में गोवर्धन पूजा के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश रहेगा।

## माड़िया आदिवासी दशरू कोलकाता से लापता

मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना में घर से हुआ था रवाना



जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा सुरासन सरकार में ग्रामीणों को तीर्थ स्थान पर देवी देवता के दर्शन कराने की महति योजना मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना को

सरकारी अधिकारी बर्बाद कर रहे हैं। योजना के तहत बस्तर से गए तीर्थयात्रियों में से एक माड़िया आदिवासी यात्री के लापता हो जाने का मामला सामने आया है।

गुम यात्री के लापता हो जाने की सूचना यात्री के परिजनों ने पुलिस और प्रशासन को दी है। समाज कल्याण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत बस्तर से श्रद्धालुओं का जत्था कोलकाता रवाना हुआ था। दशरू के कोलकाता में लापता हो जाने की खबर है। परिजनों के मुताबिक दशरू 8 अक्टूबर को शाम 5 बजे कोलकाता के काली घाट मंदिर के अंदर से गुम हो गया। काफी तलाश करने के बाद भी कही पता नही लगने पर वहां काली घाट पुलिस स्टेशन और रेल्वे पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। परिजनों ने जिला प्रशासन से दशरू की तलाश और साथ गए लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

## बाढ़ में उजड़े भेजापदर के ग्रामीणों ने पहाड़ बिताई 4 रातें, अब अरनब तूफान के डर से 1400 ग्रामीणों ने घेरा कलेक्टोरेट

ग्रामीण बोले- हमें बसाएं चौकावाड़ा में, वरना नहीं बचेगी अगली पीढ़ी



छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 में हवाई करतब दिखाते रायपुर पहुँची सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम

रायपुर (संवाददाता )। भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव 2026 में भाग लेने के लिए आज रायपुर पहुँची। टीम नवा रायपुर अटल नगर स्थित संध झील क्षेत्र के ऊपर शानदार हवाई प्रदर्शन से दर्शकों को रोमांचित करेगी। स्वदेश में विकसित उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) 'ध्रुव' से उड़ान भरने वाली सारंग टीम अपनी सटीक उड़ान, समन्वित संरचनाओं और रोमांचक हवाई करतबों के लिए प्रसिद्ध है। यह प्रदर्शन भारतीय वायु सेना के उत्कृष्ट उड़ान कौशल, अनुशासन, टीम भावना और पेशेवर दक्षता के साथ भारत की स्वदेशी हेलीकॉप्टर क्षमताओं को भी प्रदर्शित करेगा। यह आयोजन नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं और विमान में रुचि रखने वालों को हेलीकॉप्टरों की सामूहिक उड़ान में सटीकता और आपसी तालमेल देखने का अवसर प्रदान करेगा। राज्योत्सव में सारंग की भागीदारी समारोह के आकर्षण को बढ़ाने के साथ भारतीय वायु सेना और छत्तीसगढ़ के नागरिकों के बीच जुड़ाव को और सुदृढ़ करेगी।

बकावंड ■ अर्जुन कुमार झा

छत्तीसगढ़ के बस्तर में 24, 25 और 26 सितंबर को आई भीषण बाढ़ ने नदी तटीय इलाकों में जमकर तबाही मचाई थी, उसका दर्द आज भी भेजापदर गांव के लोगों के चेहरे पर साफ देखा जा सकता है। सैकड़ों ग्रामीण सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय जगदलपुर पहुंचे और विस्थापन की मांग को लेकर गुहार लगाई। ग्रामीण गांव की पूरी आबादी को चोकावाड़ा में बसाने की मांग कर रहे हैं।

बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों ने बताया कि बस्तर में आई बाढ़ में उनके आशियाने पूरी तरह ढह गए। गांव में एक पहाड़ जैसा टीला है, जिस पर गांव के सभी लोग इकट्ठा हुए। उस पहाड़ के चारों तरफ लगभग 10 किलोमीटर तक बाढ़ का पानी भरा हुआ था। इसी टापू पर 4 दिन तक पूरा गांव ने गुजारा



किया जिला प्रशासन ने राहत सामग्री तो पहुंचाई, लेकिन तब तक सब कुछ तबाह हो चुका था। घर में रखा सामान, राशन सामग्री, जरूरी सामान और घर में मौजूद मवेशी तक बाढ़ में बह गए। पूरा इलाका तहस-नहस हो

गया। इस गांव में करीब 1400 की जनसंख्या है और बाढ़ में 170 मकान पूरी तरह ढह गए।

अब नए तूफान का खौफ ग्रामीणों ने बताया कि एक बार फिर

अरनब चक्रवात के कारण चेतावनी दी गई है कि 26, 27 और 28 अक्टूबर को तेज आंधी-तूफान के साथ बस्तर और पूरे छत्तीसगढ़ में मूसलाधार बारिश होगी। बारिश से फिर बाढ़ की स्थिति बनेगी। जिला प्रशासन ने भी नदी तटीय इलाकों में रहने वालों को सावधानी बरतने की अपील की है। इसी चेतावनी के बाद भेजापदर गांव में फिर से डर बैठ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि 2026 में जैसी बाढ़ आई थी, जैसे-तैसे सभी ने मिलकर एक दूसरे की जिंदगी बचाई है। अगर सही समय पर निर्णय लेकर उचित स्थान पर नहीं जाते तो कई लोग बाढ़ की चपेट में आ जाते और मौत भी हो सकती थी। यदि हमें वहां से विस्थापित नहीं किया जाता तो आने वाले दिनों में और भी बाढ़ आएगी, अगली पीढ़ी इसका नुकसान झेलेगी, वह संभव नहीं पाएगी।



# संभावित चक्रवात ‘अर्नब’ का खतरा- छत्तीसगढ़ में हाई अलर्ट

## कलेक्टरों को 27 से 29 अक्टूबर तक विशेष एहतियात बरतने के निर्देश

**विश्व केसरी■**  
**रायपुर ( संवाददाता )**। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ का प्रभाव छत्तीसगढ़ राज्य में पड़ने की संभावनाओं के मद्देनजर शासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। इसे लेकर मंत्रालय महानदी भवन में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य के सभी जिलों के कलेक्टरों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

अपर मुख्य मंोनज कुमार पिंगुआ की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में चक्रवात के मद्देनजर 27 से 29 अक्टूबर तक आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के कलेक्टर और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी जुड़े।

**शून्य जनहानि का लक्ष्य और सुरक्षा के कड़े इंतजाम**

अपर मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि चक्रवात से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखी जाए और मौसम संबंधी चेतावनियों को पूरी गंभीरता से लिया जाए। बैठक में मुख्य जोर शून्य



जनहानि सुनिश्चित करने पर रहा। इसके तहत विशेष रूप से दक्षिण बस्तर क्षेत्र के बीजापुर, सुकमा, दंतवाड़ा, बस्तर और नारायणपुर जिलों में अत्यधिक सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं, जहां तेज हवाएं चलने की संभावना है। राहत शिविरों को 24 घंटे संचालित रखने और उनमें सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा गया है। स्वास्थ्य सचिव को चिकित्सा सुविधाओं की निर्बाध उपलब्धता के निर्देश दिए गए हैं, साथ ही

गर्भवती महिलाओं की सूची तैयार कर उन्हें आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के प्रबंध करने को कहा गया है। किसानों को फसलों से संबंधित विस्तृत एडवाइजरी जारी करने तथा चक्रवात से फसलों और पशुधन को होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने के कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। स्कूली बच्चों और आंगनबाड़ी केंद्रों के छोटे छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिए स्थानीय परिस्थितियों का आकलन कर सुरक्षित

व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को निर्धारित स्थानों पर पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

**बुनियादी ढांचे और सेवाओं को सुचारू रखने के निर्देश**

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव रामम्मी आबिदी ने बैठक में बताया कि तेज हवाओं से कच्चे मकानों को होने वाले संभावित नुकसान का आकलन किया जाए और संवेदनशील

क्षेत्रों से लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। बिजली के खंभे गिरने से होने वाले नुकसान से निपटने के लिए विद्युत विभाग को तैयार रहने को कहा गया है। साथ ही, दूरसंचार सेवाएं बाधित न हों, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। तेज हवाओं के कारण यदि पेड़ गिरते हैं, तो उन्हें तत्काल हटाने की व्यवस्था करने को कहा गया है ताकि सड़क मार्ग अवरुद्ध न हों और आवागमन सुचारू बना रहे। होटिंग्स और अन्य असुरक्षित संरचनाओं की स्थिति का भी आकलन करने पर जोर दिया गया है।

इस उच्चस्तरीय बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव अमित कटारिया के अलावा एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग और गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। राज्य शासन ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी मुस्तैदी दिखाने को कहा है।

# लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षा सबसे बड़ा माध्यम, आइडिया को स्टार्टअप में बदलें - डेका



**विश्व केसरी■**  
**रायपुर ( संवाददाता )**। राज्यपाल रमेन डेका ने युवाओं से अपने नए विचारों को स्टार्टअप में बदलने, नवाचार को अपनाने और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षा सबसे बड़ा माध्यम है और युवाओं के विचार देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकते हैं। स्टार्टअप की संभावनाएं अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि छोटे शहरों और गांवों में भी नए उद्यम आकार ले रहे हैं। युवाओं को इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी पहचान स्वयं बनानी चाहिए।

राज्यपाल रमेन डेका आईटीएम विश्वविद्यालय, रायपुर के 11वें दीक्षांत

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में 16 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, चार शोभार्थियों को पीएचडी तथा 464 विद्यार्थियों को स्नातक और स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गईं।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्टार्टअप और उद्यमिता के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। युवा अपने विचारों को व्यावहारिक रूप देकर नए उद्यम शुरू कर सकते हैं और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने युवाओं को प्रेरित किया कि वे केवल नौकरी पाने तक सीमित न रहें, बल्कि अपनी क्षमता, ज्ञान और रचनात्मकता के बल पर रोजगार सृजन की दिशा में भी आगे बढ़ें।

# आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति इरानी ने दी पुष्पांजलि

**विश्व केसरी■**  
**रायपुर ( संवाददाता )**। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय (कुशाभाऊ ठाकरे परिसर) में सोमवार को महाकाव्य रामायण के रचयिता आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा का राष्ट्रीय महामंत्री व छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी तथा राष्ट्रीय मंत्री व प्रदेश सह प्रभारी सिद्धार्थ शम्भू ने पुष्पांजलि कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों के साथ महर्षि वाल्मीकि के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके आदर्शों को स्मरण किया।

इस पुष्पांजलि कार्यक्रम में भाजपा



प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री द्वय अखिलेश सोनी व डॉ. नवीन माकण्डेय, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज सहित प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता प्रमुख रूप से

उपस्थित रहे। सभी ने महर्षि वाल्मीकि के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प दोहराया।

महर्षि वाल्मीकि का संदेश वर्ग-विहीन, समतामूलक और मर्यादापूर्ण

समाज के निर्माण की प्रेरणा देता है : भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति इरानी भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी इरानी ने इस मौके पर प्रदेशवासियों को आदि कवि, ज्ञान, समरसता और तपस्या के पावन प्रतीक महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महर्षि वाल्मीकि केवल रामायण के रचनाकार ही नहीं, अपितु भारतीय सनातन संस्कृति और सामाजिक समरसता के मूल स्तंभ हैं। जब विश्व में साहित्य और सभ्यताएँ अपनी शैशवावस्था में थीं, तब महर्षि वाल्मीकि ने हमें ‘रामायण’ जैसा अलौकिक महाकाव्य दिया।

**विश्व केसरी■**  
**रायपुर ( संवाददाता )**। पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन, छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में 24 अक्टूबर 2026 को शहीद स्मारक भवन, घड़ी चौक, रायपुर में ‘पारस संगम 2026-एक्सीलेंस अवॉर्ड’ समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षा, समाजसेवा, उद्यमिता, महिला सशक्तीकरण, स्वास्थ्य सेवा, युवा नेतृत्व, साहित्य, कला एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 101 शिक्षकों, 11



स्कूलों, कॉलेजों एवं शिक्षण तथा उनके योगदान को व्यापक पहचान दिलाना रहा। सम्मान समारोह के साथ विद्यार्थियों के स्वागत एवं विदाई कार्यक्रम ने आयोजन को विशेष स्वरूप प्रदान किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करना

विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुनील सोनी, बाल आयोग की अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त डॉ. वार्डिका शर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य शिक्षा आयोग के अध्यक्ष सुधीर गौतम, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा तथा केंद्रीय लोक शिकायत जांच आयोग से संबंधित प्रतिनिधि शिव पात्रे सहित विभिन्न क्षेत्रों के अतिथि उपस्थित रहे। इसके अलावा सकीला खान, प्रतिनि रानी तिवारी, उमा कुशवाहा तथा सामाजिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

# खंडेलवाल युवा मंच ने एचपीवी वैक्सीनेशन कार्यक्रम चलाया



**विश्व केसरी■**  
**रायपुर ( संवाददाता )**। खंडेलवाल युवा मंच, रायपुर ने संत सुंदर दास ‘स्वास्थ्य सुरक्षा अभियान’ के अंतर्गत रविवार 25 अक्टूबर को एचपीवी वैक्सीनेशन कार्यक्रम की शुरुआत की। इस पहल के माध्यम से बच्चों को एचपीवी संक्रमण से बचाव के

लिए टीकाकरण का लाभ दिया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉक्टर अभिषेक खंडेलवाल और डॉक्टर नंदिनी गुप्ता ने स्वास्थ्य सुरक्षा और एचपीवी वैक्सीनेशन के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में रसिक ,नवीन, हनुमान ,अभिषेक, विशेष सहित अन्य सामाजिक जन उपस्थित थे।

# हृदय रोग से जूझ रही प्रसूता को अम्बेडकर अस्पताल में मिला नया जीवन

**विश्व केसरी■**  
**रायपुर ( संवाददाता )**। प्रसव के बाद गंभीर हृदय रोग से जूझ रही एक प्रसूता को पहिचत जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) स्थित एसीआई के कार्डियोलॉजी विभाग में नया जीवन मिला है। महिला पोस्टपार्टम कार्डियोगायोपैथी, कंटील हार्ट ब्लॉक और वेंट्रिकुलर टैकोकार्डिया जैसी गंभीर हृदय संबंधी जटिलताओं से पीड़ित थी। उसकी स्थिति इतनी गंभीर थी कि हृदय की धड़कन लगभग 40 प्रति मिनिट रह गई थी और हृदय की पंपिंग क्षमता घटकर मात्र 25 प्रतिशत रह गई थी।

मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने पहले

आपातकालीन स्थिति में टेम्पररी पेसमेकर लगाया। इसके बाद मरीज की स्थिति स्थिर होने पर इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफ़िब्रिलेटर (ICD) पेसमेकर निःशुल्क प्रत्यारोपित किया गया। मरीज की आर्थिक और पारिवारिक परिस्थितियों को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री की पहल पर निःशुल्क उपचार की व्यवस्था की गई। वहीं, चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. विवेक चौधरी एवं अम्बेडकर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने भी प्रसूता के केस की गंभीरता को देखते हुए कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. हिमंत श्रीवास्तव को मरीज के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए और उपचार की प्रगति को विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी, ताकि उपचार की समुचित निगरानी की जा

सके।  
**प्रसव के बाद बिगड़ी हृदय की स्थिति**  
डॉ. स्मिंत श्रीवास्तव के अनुसार, महिला की दिलोवारी कोरबा में सिजेरियन ऑपरेशन से हुई थी। प्रसव के बाद उसे सांस फूलने की शिकायत होने लगी और हृदय की धड़कन असामान्य रूप से कम हो गई थी। जांच में उसके हृदय में कंटील हार्ट ब्लॉक पाया गया। साथ ही, प्रसव के बाद होने वाली गंभीर हृदय संबंधी बीमारी पोस्टपार्टम कार्डियोगायोपैथी के कारण हृदय की मांसपेशियों को कार्यक्षमता प्रभावित हो गई थी। इसके चलते हृदय की रक्त पंप करने की क्षमता घटकर 25 प्रतिशत रह गई थी। मरीज को वेंट्रिकुलर टैकोकार्डिया की समस्या भी हो रही थी, जिसमें हृदय के

निचले कक्षों से असामान्य रूप से तेज धड़कन उत्पन्न होती है। इस दौरान उसकी धड़कन अनियंत्रित हो जाती थी और वह बेहोश हो जाती थी। यह स्थिति जानलेवा साबित हो सकती थी।  
**क्या है पोस्टपार्टम कार्डियोगायोपैथी ?**  
डॉ. स्मिंत के अनुसार, पोस्टपार्टम कार्डियोगायोपैथी गर्भावस्था के अंतिम चरण या प्रसव के आपसपास विकसित होने वाली हृदय की एक गंभीर बीमारी है। इसमें हृदय की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं और शरीर में रक्त पंप करने की उसकी क्षमता कम हो जाती है। इसके कारण सांस फूलना, अत्यधिक थकान, पैरों में सूजन और हृदय गति में बदलाव जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

वाइड का नाम 38 - स्वामी आलानन्द वाई एतद द्वारा सुचित किया जाता है कि वाई 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. बी. RPR715F00053 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती LAXMI SHRIVAS-TAV पिता/पति श्री श्रीमती BIHARI SHRIVASTAV के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती धिजबिहारी श्रीवास्तव पिता / पति श्री श्रीमती र्व मोदबर्ती लाल श्रीवास्तव ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / संस्था पत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निष्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।  
सूचना जारी करे ‘  
( जोन कमिश्नर )  
जोन ( 7 )  
नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )

कायवल नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन नं - 7)  
...: संकल्प कामधेनय अखलेन चौक, रायपुर ...  
Email ID - rmczone7@gmail.com  
पत्र क्रं /.../36595/-/ न. पा. नि. जोन कं 7/2026  
रायपुर, दिनांक 26-10-2026  
इशतिहार  
नामांतरण प्र.क्र. 36595  
वाई का नाम 38 - स्वामी आलानन्द वाई एतद द्वारा सुचित किया जाता है कि वाई 33 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. बी. RPR715D00192 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती VAISHALI श्री श्रीमन S. K. PANDIT के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती 1. आशीष पंडित पिता स्व सुभाष पंडित 2. देवेश पंडित पिता स्व सुभाष पंडित 3. पंरेश पंडित पिता स्व सुभाष पंडित पिता/पति श्री श्रीमती ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / संस्था पत्र / मृत्यु प्रमाण पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निष्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।  
सूचना जारी करे ‘  
( जोन कमिश्नर )  
जोन ( 7 )  
नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )

कायवल नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन नं - 2)  
...: शहीद हनुमन्त रसुत मन्, काण्डोडी, रायपुर ...  
Email ID - rmczone2@gmail.com  
पत्र क्रं /.../36594/-/ न. पा. नि. / जोन कं 2/2026  
रायपुर, दिनांक 26-10-2026  
इशतिहार  
नामांतरण प्र.क्र. 36567  
वाई का नाम - 28 - शहीद हेमकालाणी वाई एतद द्वारा सुचित किया जाता है कि वाई 28 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. बी. RPR225B00028 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती INDER DAWANI पिता / पति श्री श्रीमती DINESH DAWANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SMT. DAMINI KESWANI पिता / पति श्री श्रीमती W/O RAJU KESWANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निष्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।  
सूचना जारी करे ‘  
श्री संतोष पाण्डेय ( जोन कमिश्नर )  
जोन ( 2 )  
नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )

कायवल नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन नं - 4)  
...: श्रद्धा, पद्म बी. टी., वरुण तला, ठाणगाना, रायपुर ...  
Email ID - rmczone6@gmail.com  
पत्र क्रं /.../36594/-/ न. पा. नि. जोन कं 6/2026  
रायपुर, दिनांक 26-10-2026  
इशतिहार  
नामांतरण प्र.क्र. 36594  
वाई का नाम 63 ब्रिगिंडियर उम्पान वाई एतद द्वारा सुचित किया जाता है कि वाई 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. बी. RPR455J0010B जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती Babulal Thakur पिता / पति श्री श्रीमती Chanlal Thakur के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SANGEETA DEEP पिता / पति श्री श्रीमती W/O CHANDAN DEEP ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SHAPATH PATRA, SAH-MATI PATRA / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निष्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।  
सूचना जारी करे ‘  
श्रीमती प्रीति सिंह ( जोन कमिश्नर )  
जोन ( 6 )  
नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )

कायवल नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन नं - 1)  
...: श्रद्धा, पद्म बी. टी., वरुण तला, ठाणगाना, रायपुर ...  
Email ID - rmczone6@gmail.com  
पत्र क्रं /.../36496/-/ न. पा. नि. जोन कं 1/2026  
रायपुर, दिनांक 26-10-2026  
इशतिहार  
नामांतरण प्र.क्र. 36496  
वाई का नाम 17 -उन्कर बापा वाई एतद द्वारा सुचित किया जाता है कि वाई 17 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. बी. RPR107A00409 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SANDEEP SINGH पिता/पति श्री श्रीमती RAJENDRA SINGH के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती KANTI NIRMALKAR पिता/पति श्री श्रीमती W/O KAN-HAIYA LAL NIRMALKAR ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निष्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।  
सूचना जारी करे ‘  
श्री अंशुल शर्मा ( जोन कमिश्नर )  
जोन ( 1 )  
नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )

कायवल नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन नं - 1)  
...: संतोषी मन्त्र, रसमदरई पानी टोकी, रायपुर ...  
Email ID - mczone4@gmail.com  
पत्र क्रं /.../36496/-/ न. पा. नि. जोन कं 1/2026  
रायपुर, दिनांक 26-10-2026  
इशतिहार  
नामांतरण प्र.क्र. 36496  
वाई का नाम 4 यतीराम बापा वाई एतद द्वारा सुचित किया जाता है कि वाई 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. बी. RPR104N00065 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SANJAY PORGADE पिता/पति श्री श्रीमती CHAMPALAL PORGADE के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती MAMTA TIWARI पिता/पति श्री श्रीमती W/O OMPRAKASH TIWARI ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निष्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।  
सूचना जारी करे ‘  
श्री अंशुल शर्मा ( जोन कमिश्नर )  
जोन ( 1 )  
नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )

कायवल नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन नं - 1)  
...: संतोषी मन्त्र, रसमदरई पानी टोकी, रायपुर ...  
Email ID - rmczone1@gmail.com  
पत्र क्रं /.../36497/-/ न. पा. नि. जोन कं 1/2026  
रायपुर, दिनांक 26-10-2026  
इशतिहार  
नामांतरण प्र.क्र. 36497  
वाई का नाम 3 संत कबीर दास वाई एतद द्वारा सुचित किया जाता है कि वाई 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. बी. RPR104B00208 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती BHACHCHI BEN PATEL पिता/पति श्री श्रीमती KARAMSI BHAI PATEL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती DEVSU BHAI PATEL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती RAMESH CHANDRA PATEL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती RAJNIKANT PATEL पिता/पति श्री श्रीमती S/O LATE. KARAMSHI BHAI PATEL ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निष्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।  
सूचना जारी करे ‘  
श्री अंशुल शर्मा ( जोन कमिश्नर )  
जोन ( 1 )  
नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )

कायवल नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन नं - 1)  
...: इंदुवामना, वरुण पानी टोकी, रायपुर ...  
Email ID - rmczone5@gmail.com  
पत्र क्रं /.../36432/-/ न. पा. नि. / जोन कं 5/2026  
रायपुर, दिनांक 26-10-2026  
इशतिहार  
नामांतरण प्र.क्र. 36432  
वाई का नाम 40 पं. दीनदयाल उध्याय वाई एतद द्वारा सुचित किया जाता है कि वाई 40 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. बी. RPR569E00161 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती RAJU DUBEY पिता / पति श्री श्रीमती BHAIRODAYAL DUBEY के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती यामिनी परेल पिता / पति श्री श्रीमती पितल छबिराम परेल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निष्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।  
सूचना जारी करे ‘  
श्री राकेश शर्मा ( जोन कमिश्नर )  
जोन ( 5 )  
नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )



दीपावली के दीयों में झलक  
 रही मेहनत और खुशियों की  
 चमक- इन दिनों दीपावली का  
 त्योहार नजदीक आने के साथ ही  
 माधुरी पांडे अपने हाथों से मिट्टी के  
 दीये बना रही हैं। मिट्टी को आकार  
 देकर दीये तैयार करते हुए उनके मन  
 में भी त्योहार की खुशियाँ हैं। उनके  
 लिए ये दीये सिर्फ मिट्टी से बनी  
 वस्तुएँ नहीं, बल्कि उनकी मेहनत,  
 धारपरिक हुनर और परिवार का  
 खुशियों का प्रतीक हैं।



## संपादकीय

### जननी जन्मभूमि एवं स्त्रियों का सम्मान उन्नत राष्ट्र की विशिष्ट पहचान



संजीव ठाकुर

**भारतीय** ऋषियों ने अथर्व वेद में माताओं को ‘माता भूमिह पुत्र अहं पृथ्व्या’ अर्थात भूमि मेरी माता है और हम इस धरा के पुत्र हैं, कविकर प्रतिष्ठित किया है,तभी से विश्व में नारी महिमा का उद्घोष हो गया था। महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महता को बताते हुए कहा था कि ‘मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा’। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सदगुणों का उच्चतम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन-पालन की ही देन है। जीजाबाई,जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलतः माताएं, स्त्रियों की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा सन्नाह में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योद्घाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्वैत पवित्र साधक है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधन एवं दूष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति, संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं। अतः महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन,पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ-साथ पशु प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सदगुणी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में संकट आया है तो पत्नियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विश्वश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था।विद्योत्त्मा ने कालिदास को संस्कृत का प्रकांड महाकवि बनाया था, इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट,गबन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायनों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती आ रही है। पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महती रही है। स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चा ना करना इस आलेख को पूर्ण बनाता है, अतः स्वाधीनता के आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर भारत के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है, कैप्टन लक्ष्मी सहारल, अरूणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा,सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी और न जाने कितनी महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलक्ष्मी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनीं, सरोजिनी नायडू, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में किया है जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी। वर्तमान में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति ईरानी, सोनिया गांधी,प्रियंका गांधी, हरसिमरन, कौर वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रतिभा पाटिल, मुद्रुला सिन्हा आदि ने राजनीति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपने कार्यों से महिलाओं का सम्मान बढ़ाया एवं देश की अर्थव्यवस्था सुधारने में अपना योगदान दिया है।



ललित गर्ग

**लोक**तंत्र में सत्ता और विपक्ष एक-दूसरे के विरोधी अवश्य होते हैं, लेकिन उनकी भाषा शत्रुता की नहीं, वैचारिक प्रतिस्पर्धा की होनी चाहिए। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की शक्ति हैं, पर जब ये मतभेद व्यक्तिगत कटाक्ष, पारिवारिक टिप्पणियों और अपमानजनक शब्दों में बदलने लगते हैं, तब राजनीति का स्तर गिरता है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा प्रभावित होती है। भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कांग्रेस के अनेक नेताओं की आक्रामक टिप्पणियों और अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पटना में दिए गए विवादस्पद बयान ने एक बार फिर भाषाई मर्यादा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। 25 अक्टूबर 2026 को पटना में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में खड़गे की एक टिप्पणी राजनीतिक विवाद का कारण बन गई। कार्यक्रम में उपस्थित एक व्यक्ति की टिप्पणी के जवाब में उन्होंने कहा, ‘मोदी का बाप भी जाएगा!’ इस बयान की भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने तीखी आलोचना की। दूसरी ओर, कांग्रेस ने इस टिप्पणी को वैचारिक

संदर्भ में समझाने का प्रयास किया। समाचारों के अनुसार संबंधित व्यक्ति ने भी बाद में कहा कि उसकी पूरी बात नहीं सुनी गई थी। इस घटनाक्रम के विभिन्न पक्ष अपनी-अपनी व्याख्या प्रस्तुत कर रहे हैं, लेकिन विवाद से अलग एक बुनियादी प्रश्न अपनी जगह कायम है-क्या देश के सर्वोच्च राजनीतिक पद पर आसीन व्यक्ति के प्रति विरोध जताने का यही तरीका होना चाहिए?

खड़गे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और लंबे राजनीतिक अनुभव के साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति से सार्वजनिक मंच पर अधिक संयम और विवेक की अपेक्षा स्वाभाविक है। राजनीतिक सभा में कोई प्रतिकूल टिप्पणी हो जाए, तो उसका उत्तर तर्कों, तथ्यों और आत्मविश्वास से दिया जा सकता है। लेकिन जब जवाब व्यक्तिगत संबंधों और परिवार तक पहुंच जाए, तब मुद्दे की गंभीरता पीछे छूट जाती है और शब्दों का विवाद मुख्य समाचार बन जाता है। राजनीति में शब्द केवल वक्ता की तत्काल प्रतिक्रिया नहीं होते, वे उसकी सार्वजनिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक संस्कारों की भी परीक्षा लेते हैं। कांग्रेस की राजनीति में नरेंद्र मोदी को लेकर तीखे और विवादस्पद वक्तव्यों का इतिहास भी इस बहस को व्यापक संदर्भ देता है। वर्ष 2007 में सोनिया गांधी ने गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष का कारण बन गई। कार्यक्रम में ‘मौत का प्रयोग किया था। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मणिशंकर अय्यर की ‘चायवाला’ संबंधी टिप्पणी ने भी बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा किया। बाद के वर्षों में राहुल गांधी के ‘चौकीदार चोर है’ नारे ने

राजनीतिक बहस को व्यक्तिगत आरोपों की दिशा में मोड़। इन बयानों के पीछे अपने-अपने राजनीतिक संदर्भ और वक्ताओं की दलीलें रही हैं, लेकिन इनका सार्वजनिक प्रभाव इस प्रश्न को सामने लाता है कि क्या किसी नेता की आलोचना उसके कामकाज तक सीमित रखी जा सकती है, अथवा उसे व्यक्तिगत उपहास का विषय बनाना आवश्यक समझा जाने लगा है?

प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी मोदी और उनकी सरकार के विरुद्ध कई अवसरों पर तीखे राजनीतिक हमले



किए हैं। यह ध्यान रखना जरूरी है कि तीखी आलोचना अपने आप में अमर्यादित नहीं होती। सरकार की नीतियों, बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक सद्भाव, लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक निर्णयों पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब नीतिगत असहमति को व्यक्तिगत अपमान से जोड़ दिया जाता है और तर्कों के स्थान पर कटाक्ष को राजनीतिक प्रभाव का माध्यम बनाया जाने लगता है। किसी नेता के प्रत्येक

बयान को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं, लेकिन बार-बार होने वाले विवादों से राजनीतिक भाषा के स्तर पर विचार करने की आवश्यकता अवश्य पैदा होती है। यहां कांग्रेस के सामने एक बड़ी सार्थकता इस बात से तथ्य होगी कि वह जनता के जीवन से जुड़े प्रश्नों पर कितना प्रभावी विमर्श खड़ा करती है। किसानों की समस्याएं, युवाओं के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक असमानता और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर ठोस विकल्प प्रस्तुत करना उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि

सार्वजनिक चर्चा बार-बार प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत टिप्पणियों तक सिमट जाती है, तो नीतिगत बहस पीछे छूटने का खतरा रहता है। इससे विपक्ष की आलोचना का वास्तविक आधार भी कमजोर पड़ सकता है। राजनीतिक विमर्श में मुद्दों की जगह व्यक्तियों को केंद्र में रख देने से लोकतंत्र को अपेक्षित लाभ नहीं मिलता।

दूसरी ओर नरेंद्र मोदी का व्यक्तिगत और उनकी वैश्विक सक्रियता भारतीय राजनीति के महत्वपूर्ण पहलू हैं। प्रधानमंत्री के

रूप में उनकी विदेश यात्राएं, विभिन्न देशों के नेतृत्व के साथ संवाद, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भागीदारी और आर्थिक एवं रणनीतिक साझेदारियों को आगे बढ़ाने के प्रयास देश की वैश्विक भूमिका से जुड़े हैं। उनके समर्थक इन गतिविधियों को भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव में वृद्धि के रूप में देखते हैं। साथ ही, किसी भी प्रधानमंत्री के कार्यकाल का निष्पक्ष आकलन केवल अंतरराष्ट्रीय छवि के प्रतिष्ठा और प्रभाव में वृद्धि के रूप में नहीं, बल्कि घरेलू नीतियों, आर्थिक परिणामों, सामाजिक समावेशन और शासन के रिकॉर्ड से भी किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की सुंदरता इसी में है कि नेतृत्व की उपलब्धियों का सम्मान हो और उसके निर्णयों की आलोचनात्मक समीक्षा भी संभव बनी रहे। यह भी विचारणीय है कि किसी नेता के विरुद्ध जितनी अधिक व्यक्तिगत और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल होता है, उतना ही उसके समर्थकों में प्रतिक्रिया की भावना पैदा हो सकती है। नरेंद्र मोदी के संदर्भ में कांग्रेस की आलोचना का राजनीतिक असर हमेशा एक जैसा रहा हो, ऐसा निष्कर्ष निकालना तथ्यों से परे होगा। चुनावी परिणाम अनेक कारणों से प्रभावित होते हैं- नेतृत्व, संगठन, स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार, गठबंधन और मतदाताओं की अपेक्षाएं। फिर भी, यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जोखिम है कि यदि विपक्ष अपनी आलोचना को प्रमाण और नीतिगत विकल्पों के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियों पर आधारित करता है, तो वह अपनी बात जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का अवसर खो सकता है। इसके विपरीत टिप्पणियों पर आधारित करता है, तो वह अपनी बात जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का अवसर खो सकता है। इसलिए राजनीति को स्थिरता नहीं बढ़लेगी, लेकिन सार्वजनिक जीवन में बोले गए शब्द लंबे समय तक समाज की स्मृति में रहते हैं। इसलिए राजनीति को स्थिरता की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक भाषा चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र में विचारों की विजय होनी चाहिए, व्यक्तिगत अपमान की नहीं।

नीतियों के आधार पर जनता के सामने जवाबदेह रहना चाहिए।

राजनीति की भाषा समाज के व्यवहार को प्रभावित करती है। जब शीर्ष नेता सार्वजनिक मंचों पर संयम खोते हैं, तब उनके समर्थकों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच भी कड़ुता बढ़ने की आशंका रहती है। सोशल मीडिया इस प्रवृत्ति को और तेज कर देता है, जहां किसी बयान का छोट-सा अंश पूरे विमर्श पर हावी हो सकता है। इसलिए नेताओं को बोलने से पहले शब्दों के सामाजिक प्रभाव और पद की गरिमा पर विचार करना चाहिए। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को अपमानित करना और उसके तर्कों को पराजित करना दो अलग बातें हैं, लोकतंत्र में दूसरी बात अधिक महत्वपूर्ण है। अंततः कांग्रेस हो या भाजपा, किसी भी शक्त को वास्तविक राजनीतिक दल उसकी भाषा की आक्रामकता से नहीं, बल्कि उसके विचारों, नीतियों, जनसेवा और जनता के विश्वास से निर्धारित होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन आलोचना तथ्यों और तर्कों पर आधारित होनी चाहिए। इसी प्रकार कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे हों या सत्तापक्ष के अन्य नेता सभी से अपेक्षा है कि वे असहमति को अपमान में न बदलें। राजनीति में शब्दों की मर्यादा नहीं, औपचारिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। सत्ता बदलेगी, नेता बदलेंगे और दलों की स्थितियां बदलेगी, लेकिन सार्वजनिक जीवन में बोले गए शब्द लंबे समय तक समाज की स्मृति में रहते हैं। इसलिए राजनीति को स्थिरता की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक भाषा चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र में विचारों की विजय होनी चाहिए, व्यक्तिगत अपमान की नहीं।

### बोध कथा

### मित्रता

उषा ने पति अनिल से कहा,कितनी देर तक समाचार पत्र पढ़ते रहोगे? यहाँ आओ और अपनी प्यारी बेटी को खाना खिलाओ। अनिल ने समाचार पत्र एक तरफ फेका और बेटी ईशा को अपने सामने खाने के लिए प्लेट में आँसू थे और सामने खाने की प्लेट। ईशा एक अच्छी लड़की है और अपनी उम्र के बच्चों से ज्यादा समझदार. अनिल ने खाने की प्लेट को हाथ में लिया और ईशा से बोला,बेटो खाना क्यों नहीं खा रही हो?.आ जाओ मैं खिलाता हूँ. ईशा जिसे खाना नहीं भा रहा था। सुबक सुबक कर रने लगी और कहने लगी,मैं पूरा खाना खा लूँगी पर एक वादा करना पड़ेगा आपको. वादा,अनिल ने बेटो को समझाते हुआ कहा,इस प्रकार कोई महँगी चीज खरीदने के लिए ज़िद नहीं करते. नहीं पापा,मैं कोई महँगी चीज के लिए ज़िद नहीं कर रही हूँ. फिर ईशा ने धीरे धीरे खाना पूर्ण किया और कहा,मैं अपने सभी बाल कटवाना चाहती हूँ. सभी प्रकारसे समाझाने पर भी ईशा नहीं

मानी और अपना वचन निभाने हेतु ईशा की बात माननी हो पड़ी। अगले दिन अनिल ईशा को स्कूल छोड़ने गया.वहाँ उसने उसी के आयु का एक गंजा बालक देखा जिसको और ईशा भागते गयी थ. उसी समय एक महिला ने अनिल से कहा,क्या ईशा आपकी बेटो है ? बहुत ही होनहार लड़की है . मेरा बेटा कैसर से पीड़ित है और इलाज में उसके सारे बाल खत्म हो गए हैं. वह इस हालत में स्कूल नहीं आना चाहता था क्योंकि स्कूल में लड़के उसे विदाते हैं. पर ईशा ने कहा कि वह भी गंजी होकर स्कूल आयेगी और वह आ गई। इस कारण देखिये मेरा बेटा भी स्कूल आ गया. आप धन्य हैं कि आपको ऐसी बेटो है अनिल को यह सब सुनकर रोना आ गया और उसने मन ही मन सोचा कि आज बेटो ने सीखा दिया कि प्यार क्या होता है. इस पृथ्वी पर खुशहाल वह नहीं है जो अपनी शर्तों पर जीते हैं बल्कि खुशहाल वे हैं जो,जिन्हें वे प्यार करते हैं,उनके लिए बदल जाते हैं।

## रिजीम चेंज के नारे से इतनी घबराहट!

#### राजेश अचल

**भारतीय** राजनीति में इन दिनों एक ऐसा नारा चर्चा में है, जिसने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग से शुरू हुई लड़ाई का पूरा राजनीतिक परिदृश्य बदल दिया है। नारा है— रिजीम चेंज! यानी सत्ता परिवर्तन।तख्ता पलट.

सवाल है कि क्या इस नारे से सरकार घबरा गई है? क्या विपक्ष ने अपनी लड़ाई का दायरा बढ़ाकर भाजपा को नया हथियार दे दिया है? और क्या अभिजीत दिपके की कॉकरोच जनता पार्टी इस मुद्दे पर अपने साथियों से अलग रास्ता चुन रही है.क्या सरकार पर विपक्ष को विलेन बनाने की धुन सवार हो गई है जो बार-बार सामने आती है.

कहानी शुरू हुई मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एस आई आर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उठे विरोध से। विपक्ष और आंदोलनकारी समूहों का आरोप है कि मतदाता सूचियों से बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने से लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। चुनाव आयोग का कहना है कि हटाए गए नामों में मृत, स्थानांतरित

और अन्य कारणों से अपात्र मतदाता शामिल हैं तथा गलत तरीके से नाम हटने पर दोबारा पंजीकरण का रास्ता खुला है।

यानी एक तरफ चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल हैं, दूसरी तरफ चुनाव आयोग अपने फैसलों का बचाव कर रहा है।

लेकिन अब यह लड़ाई केवल ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक



सीमित नहीं रह गई है।

रिजीम चेंज का नारा किसने बुलंद किया?

आपको याद होगा कि 15 अक्टूबर को दिल्ली में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत

भूषण ने कहा कि संघर्ष अब रिजीम चेंज की लड़ाई है। छात्र नेता नेहा बोरा की बांग्लादेश के छात्र आंदोलन से जुड़ी टिप्पणी ने भी भाजपा पर हमला करने का अवसर दिया।

भाजपा ने इसे बांग्लादेश जैसी सत्ता परिवर्तन की कोशिश बताना शुरू कर दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आरोप लगाया कि विपक्ष

आप में अपराध या तख्तापलट की साजिश है? लोकतंत्र में सरकार बदलने का रास्ता चुनाव है। शांतिपूर्ण विरोध और राजनीतिक असहमति भी लोकतंत्र का हिस्सा हैं। हाँ, हिंसा या गैरकानूनी तरीके से सत्ता पर कब्जे की कोशिश अलग विषय है। दोनों को एक ही तराजू में तौलना उचित नहीं होगा।

आधी रात को दिपके ने दूरी क्यों बनाई? इस कहानी में दिलचस्प मोड़ आता है, तब जब

अभिजीत दिपके ने देर रात अपनी पार्टी सीजेपी की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका आंदोलन सरकार बदलने के लिए नहीं, बल्कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने और उनकी जगह स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव आयुक्त नियुक्त करने के लिए है। इसका मतलब यह नहीं कि हर आंदोलनकारी या विपक्षी नेता को भी यही कहना चाहिए। लेकिन इतना जरूर है कि एक साझा आंदोलन में शामिल लोगों के लक्ष्य अलग-अलग हो सकते हैं।

देश में अराजकता पैदा करना और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करना ट्रेन पकड़ते हैं। लेकिन यहाँ एक बुनियादी सवाल है—क्या किसी निर्वाचित सरकार को लोकतांत्रिक तरीके से बदलने की मांग अपने

सार्वजनिक रूप से चीर-हरण करेंगे। बने रहो महान। साधारण रहते तो आराम से मरते। ये महानता की चुल्ल, तुम्हें चैन से मरने भी नहीं दे रही? है।

मुझे लगता है महानता की चुल्ल मरने के बाद भी धरती पर कब्जा करने की प्रवृत्ति का परिणाम है। समाधि बना दो, एकाध एकड़ भूमि पर कब्जा। मूर्ति लगा दो, चौराहे की बेशकीमती जमीन का पट्टा। सारे तथाकथित( विलोपित )स्थल कहीं न कहीं महानता के नाम पर कब्जा स्थल ही तो हैं। लौकिक, अलौकिक, पारलौकिक समस्त महामानवों से करबद्ध प्रार्थना है कि सांस चलते आपने जो ताण्डव किया वो पर्याप्त था,अब कब्जा छोड़ो, तुम्हारी महानता दोनों के लिए घातक है। जी लिए अब जीने दो। इसलिए, जो मत्ता साधारण रहकर मरने में है वो महानता में कहां?

### व्यंग्य केसरी

## महानता की चुल्ल



#### डॉ. प्रेम कुमार पाण्डेय

**ईस** धरती पर आपको जो कुछ दिख रहा है जैसे पेड़-पौधे,नदी-पहाड़, पशु-पक्षी सभी अपनी स्वाभाविक जिंदगी जीते हैं। इनके अंदर किसी भी तरह की महत्वाकांक्षा नहीं होती। ये सभी अपनी स्वाभाविक जिंदगी जीते हुए इस धरती से बिना कुछ लिए, बिना कुछ सुकसान पहुंचाए, अपनी समर्थ अनुभवा धरती को बहुत कुछ देकर जाते हैं। धरती पर मनुष्य ही ऐसा प्राणी है जो महानता जीवी

है। वह महान हो न हो पर हर हाल में महान दिखना चाहता है।अरे भाई! यह क्यों नहीं समझते कि साधारण रहने के अपने फ़ायदे हैं। मरने के अधिकतम बारह दिन तक आपके गुणधर्म की चर्चा होती है, तेरहवें दिन लोग नरम पूरी ढूंढते हैं,खाने के बाद रसगुल्ला दबाकर अपनी ट्रेन पकड़ते हैं। इसके बाद आप आराम से मरे रहिए बाकी जिंदगी सामान्य। अब आ जाइए

महान आदमी के मर्म पर , लाश को तीन चार दिन दर्शन के लिए रखते हैं। अरे बाबा! महान है तो क्या सड़ेगा नहीं? बेचारा मरकर अमर हो जाता है। गली चौराहों पर मूर्तियां स्थापित हो जाती हैं। पक्षी खोपड़ी पर निपटते हैं,शराबी गले मिलते हैं, श्वान अपनी सारी शंकाओं का समाधान करता है। रहे आओ महान, दुनिया अपने अनुसार चलेगी। कुछ और दिन बीतने पर कुछ लोग फूलमाला चढ़ाएंगे और कुछ

सार्वजनिक रूप से चीर-हरण करेंगे। बने रहो महान। साधारण रहते तो आराम से मरते। ये महानता की चुल्ल, तुम्हें चैन से मरने भी नहीं दे रही? है। मुझे लगता है महानता की चुल्ल मरने के बाद भी धरती पर कब्जा करने की प्रवृत्ति का परिणाम है। समाधि बना दो, एकाध एकड़ भूमि पर कब्जा। मूर्ति लगा दो, चौराहे की बेशकीमती जमीन का पट्टा। सारे तथाकथित( विलोपित )स्थल कहीं न कहीं महानता के नाम पर कब्जा स्थल ही तो हैं। लौकिक, अलौकिक, पारलौकिक समस्त महामानवों से करबद्ध प्रार्थना है कि सांस चलते आपने जो ताण्डव किया वो पर्याप्त था,अब कब्जा छोड़ो, तुम्हारी महानता दोनों के लिए घातक है। जी लिए अब जीने दो। इसलिए, जो मत्ता साधारण रहकर मरने में है वो महानता में कहां?

लोगों को कितना समझाओं कोई समझता कहां है?इस महान धरती के महान लोकतंत्र के महान नायक की महान बुद्धि में चुल्ल उठी कि उन्हें नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए। इस इच्छ के विपरीत नोबेल समिति के दिमाग में तत्काल ईमानदारी की चुल्ल उत्पन्न हुई। एक शांति के पुजारी को नोबेल नहीं मिला। उसने ऐसी अशांति मचाई कि पूरा विश्वास लहलुहान हो गया। इस प्रकरण में पूरा दोष नोबेल कमेटो की ईमानदारी की चुल्ल का है। भाई! एक गलत आदमी को नोबेल मिल जाता तो क्या पहाड़ टूट जाता ? गलत नोबेल पुरस्कार पाने का दबाव ही उस महान को खूत-खराबा करने से रोकता । पर क्या हो? एक बार फिर दो महान लोगों के महान होने की चुल्ल ने धरती को नरक बना दिया।

लेखकों सावधान! अभी-अभी

### इतिहास

**27** अक्टूबर का दिन भारत और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है:

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं 1947: भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर में कदम रखा, जब महाराजा हरि सिंह ने भारत में विलय के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। (इस दिन को भारत में ईफेंट्री दिवस के रूप में मनाया जाता है) । 1795: अमेरिका और स्पेन के बीच मैड्रिड (सेन लरेंजे) की संधि पर हस्ताक्षर हुए। 1958: पाकिस्तान में जनरल अयूब खान ने राष्ट्रपति सिकंदर मिर्जा का तख्तापलट कर सत्ता संभाली। 1961: बर्लिन के 'चेकचाइंट चालीं' पर अमेरिकी और सोवियत संघ के टैंक आमने-सामने आए और 16 घंटे तक तनाव बना रहा। 1978: मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात और इश्मराल के प्रधानमंत्री मेनाबेह बेगरी को संयुक्त रूप से नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया।

| कविता                    |                       |                      |
|--------------------------|-----------------------|----------------------|
| अथ श्रीरामायण कथा        |                       |                      |
|                          | कथा है श्रीराम की,    | सखा के साथ की,       |
|                          | जानकी के मान की,      | गुरुवर के छाँव की।   |
|                          | लखन के निष्काम की,    |                      |
| उद्देश्य तिवारी<br>'उदय' | की,                   | कथा है रघुनाथ की,    |
|                          | भरत के स्वभाव की।     | घर से वनवास की,      |
|                          | अवधवासी गा रहे,       | विषाद से निषाद की,   |
| जय सिया राम।             | राम का गुणगान,        | राम से श्रीराम की।   |
|                          |                       |                      |
|                          | संतों के आशीर्वाद की, |                      |
| कथा है श्रीराम की,       | मुनियों के वरदान की,  |                      |
|                          | शिव के आराध्य की,     | ऋषियों के ज्ञान की,  |
|                          | हनुमन्त के नाथ की,    | विद्वानों के मान की। |
| शबरी के प्रभु राम की।    |                       |                      |
|                          | कथा है रघुराज की,     |                      |
|                          | पुण्य के प्रभाव की,   |                      |
| माता के प्यार की,        | पाप के विनाश की,      |                      |
|                          | पिता के दुलार की,     | सद्गति के मार्ग की।  |
|                          |                       |                      |



# रेलवे आरक्षण केंद्र 10 दिनों से बंद, कर्मचारियों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

## आम जनता ने जल्द सेवा शुरू करने की मांग

विश्व केसरी■

**मुंगेली ( रवि शुक्ला )**। जिले के नागरिकों को बेहतर रेलवे सुविधाएं उपलब्ध करने की मांग लंबे समय से उठती रही है,लेकिन मुंगेलीवासियों के लिए रेल सुविधा का इंतजार अब भी खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। एक ओर वर्ष 2018 में कटघोरा-मुंगेली-डोंगरगढ़ रेल लाइन परियोजना को लेकर उम्मीदें जगी थीं,लेकिन रेल लाइन का सपना अब तक साकार नहीं हो पाया है। वहीं दूसरी ओर,वर्ष 2014 से संचालित रेलवे यात्री आरक्षण केंद्र पिछले 10 दिनों से बंद होने की जानकारी सामने आई है। इससे जिले के नागरिकों और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आरक्षण केंद्र के बंद होने का मामला अब जिला प्रशासन तक पहुंच गया है। केंद्र में कार्यरत कर्मचारी द्वारा कलेक्टर को आवेदन सौंपकर रेलवे अधिकारियों की कार्रवाई पर सवाल उठाए गए हैं। कर्मचारी ने आवेदन में आरोप लगाया है कि पिछले लगभग 12 वर्षों से संचालित आरक्षण संबंधी कार्य को बंद करा दिया गया है। साथ ही अपने ऊपर लगाए गये आरोपों को निराधार



बताते हुए निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है।

**10 दिनों से बंद आरक्षण केंद्र,यात्रियों की बड़ी परेशानी**

मुंगेली में रेलवे यात्री आरक्षण केंद्र की शुरुआत जिलेवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा के रूप में हुई थी। इस केंद्र के माध्यम से नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को लंबी दूरी की ट्रेनों में आरक्षित टिकट प्राप्त करने की सुविधा

प्रशासनिक,तकनीकी या अन्य कारण से रोका गया है, तो उसकी स्पष्ट जानकारी आम नागरिकों को क्यों नहीं दी जा रही है ?

जिलेवासियों की अपेक्षा है कि संबंधित विभाग बंदी के कारणों को सार्वजनिक करे और नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर आरक्षण सुविधा को जल्द बहाल करने की दिशा में पहल करे।

**2014 में तत्कालीन सांसद लखनलाल साहू की पहल से शुरू हुआ था आरक्षण केंद्र**

मुंगेली में रेलवे यात्री आरक्षण केंद्र की स्थापना के पीछे जिलेवासियों की वर्षों पुरानी मांग और रेल सुविधाओं के अभाव की समस्या प्रमुख कारण रही थी। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मुंगेली क्षेत्र से लखनलाल साहू सांसद निर्वाचित हुए थे। उनके निर्वाचन के बाद स्थानीय नागरिकों ने मांग उठाई थी कि जब तक मुंगेली में रेलवे लाइन की सुविधा उपलब्ध नहीं होती,तब तक कम से कम नगर में यात्री आरक्षण केंद्र शुरू कराया जाए। उस समय यात्रियों को आरक्षित रेल टिकट लेने के लिए बिलासपुर अथवा रायपुर जाना पड़ता था। इससे न केवल अतिरिक्त समय लाता था,बल्कि आने-जाने में अनावश्यक खर्च भी उठाना पड़ता था।

आरक्षण केंद्र बंद होने से अब यात्रियों को टिकट आरक्षित कराने के लिए दूसरे स्थानों का रुख करना पड़ सकता है। इससे समय और अतिरिक्त खर्च दोनों बढ़ने की आशंका है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि केंद्र का संचालन किसी

## शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सक्ती में ‘सुरक्षित बचपन अभियान’ पर विधिक जागरूकता शिविर

विश्व केसरी■

**सक्ती ( ईश्वर लोधी )**। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार स्कूली बच्चों को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो एक्ट) के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से संचालित ‘सुरक्षित बचपन अभियान’ के अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सक्ती में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में लीना अग्रवाल द्वितीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम, 2012 तथा ‘सुरक्षित बचपन अभियान’ के उद्देश्य, महत्व एवं कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि बच्चों को लैंगिक अपराधों एवं



यौन शोषण से संरक्षण प्रदान करने के लिए यह कानून महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने छात्राओं को कानून के प्रति जागरूक रहने, अपने अधिकारों को समझने तथा किसी भी प्रकार की अनुचित घटना होने पर चुप रहने के बजाय उचित माध्यम से शिकायत करने के लिए प्रेरित किया।अपने संबोधन में अग्रवाल ने छात्राओं को घर से विद्यालय आने-जाने के दौरान सतर्क रहने तथा अपने आसपास की

परिस्थितियों के प्रति सजग रहने की समझादश दी। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के अनावश्यक स्नेह, दुलार या व्यवहार को सहन नकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, यदि उससे असहजता महसूस हो। छात्राओं को अपनी असहजता को पहचानने, अपनी बात स्पष्ट रूप से रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर विश्वसनीय व्यक्ति से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

## सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ

विश्व केसरी■

**बिलासपुर ( शैलेन्द्र केशरवानी )**। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आज जिले में सत्यनिष्ठा की शपथ के साथ शुभारंभ हुआ। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने अधिकारियों-कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। सभी ने अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी और पारदर्शिता से करते हुए जनहित में कार्य करने तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध सजग रहने का संकल्प लिया। जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में भी अधिकारियों-कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा ली। केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार इस वर्ष 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक ‘सत्यनिष्ठा से समृद्धि’ की थीम पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में सप्ताह के प्रथम दिन शपथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रतिज्ञा के दौरान अधिकारियों कर्मचारियों ने जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी और कानून के शासन का पालन करने, न रिश्तत लेने और न ही रिश्तत देने, सभी कार्यों को ईमानदारी एवं पारदर्शिता से करने तथा व्यक्तिगत व्यवहार में सत्यनिष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत करने की शपथ ली।

## अर्बन साइक्लोन के प्रभाव पर वर्षा की संभावना के मद्देनजर कलेक्टर ने की वीडियो कॉन्फ्रेंस

विश्व केसरी■

**सक्ती ( ईश्वर लोधी )**।प्रदेश के अपर मुख्य सचिव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टरों की बैठक ली। बैठक में अर्नब साइक्लोन के प्रभाव से प्रदेश में 27 से 29 अक्टूबर तक संभावित वर्षा और मौसम विभाग द्वारा जारी अर्रिज अलर्ट को देखते हुए जिला प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्यों के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित रखे जाने के निर्देश दिए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जिलों में कंट्रोलरूम सक्रिय रखने, राहत एवं बचाव दलों को तैयार रखने और जहाजिन रोकने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बता दे कि चक्रवात के प्रभाव से छत्तीसगढ़ प्रदेश में 27 से 29 अक्टूबर तक वर्षा होने की



संभावना को देखते हुए राज्य शासन ने सभी जिलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर जयश्री जैन, अपर कलेक्टर के एस पैकरा, अपर कलेक्टर नवीन भगत, डिप्टी कलेक्टर प्रीतेश राजपूत सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी शामिल हुए। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अर्नब साइक्लोन के उत्तरी आंध्र प्रदेश तट पर लैंडफॉल करने की संभावना है। इसके प्रभाव से 27

अक्टूबर को सुकमा एवं दंतेवाड़ा जिले तथा 28 और 29 अक्टूबर को प्रदेश के सभी जिलों में वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग द्वारा प्रदेश के लिए अर्रिज अलर्ट जारी किया गया है। संभावित मौसमी परिस्थितियों के मद्देनजर छत्तीसगढ़ शासन के अपर मुख्य सचिव द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी कलेक्टरों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

## कलेक्टर अजीत वसंत ने साप्ताहिक बैठक में योजनाओं की समीक्षा कर दिए निर्देश



विश्व केसरी■

**अंबिकापुर ( रविशंकर गुप्ता )**। कलेक्टर अजीत वसंत ने सोमवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली। बैठक में जिले में संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों में प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई तथा पूर्व में दिए गए निर्देशों पर प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान अपर कलेक्टर प्रताप विजय खेसस, नगर निगम आयुक्त विनय अग्रवाल सहित सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर वसंत ने सीएम

हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों का गंभीरता से गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करने, संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करने निर्देश दिए। वहीं डीएमएफ अंतर्गत वसूली प्रकरणों की स्थिति, डीएमएफ अंतर्गत अपूर्ण कार्यों की जानकारी, जाति प्रमाणपत्र एवं जन्म प्रमाणपत्र निर्माण में प्रगति की जानकारी, मुआवजा प्रकरणों सहित अन्य विषयों पर समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जनदर्शन, जन चौपाल, जन शिकायत, पीजी पोर्टल आदि पर समीक्षा की गई।

## चिरमिरी के बरतूंगा में बिक रही अवैध महुआ शराब

विश्व केसरी■

**चिरमिरी (राजेश उपाध्याय )**। कोरिया जिले के अंतर्गत आने वाले चिरमिरी के बरतूंगा क्षेत्र में अवैध महुआ शराब का कारोबार इन दिनों अपनी चरम सीमा पर है। पुलिस प्रशासन की तमाम सख्ती और समय-समय पर की जाने वाली कार्रवाई के बावजूद अवैध शराब के कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं। मोटी कमाई के लालच में तस्कर कानून को ठेगा दिखाकर बेखौफ होकर इस अवैध धंधे को संचालित कर रहे हैं।

**विश्वसनीय सूत्रों से हुआ बड़ा खुलासा** - विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बरतूंगा क्षेत्र में अवैध महुआ शराब का एक बड़ा नेटवर्क सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

**होम डिलीवरी का खेल:** सूत्रों का कहना है कि देवराज नामक एक व्यक्ति इस अवैध कारोबार में संलिप्त है, जो फोन पर ऑर्डर लेकर ग्राहकों तक घर-घर यानी होम डिलीवरी के जरिए महुआ शराब पहुंचा रहा है।



धार्मिक स्थल के पास खुलेआम बिक्री: वहीं दूसरी ओर, क्षेत्र में स्थित मस्जिद के पास ‘दूरी’ नामक व्यक्ति द्वारा खुलेआम अवैध महुआ शराब की बिक्री की जा रही है। सरेंआम हो रहे इस अवैध कारोबार से स्थानीय रहवासियों और आसपास के लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

**पुलिस की कार्रवाई के बाद भी जारी है अवैध धंधा** - चिरमिरी पुलिस द्वारा अवैध शराब के खिलाफ समय-समय पर अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाती रही है, जिसके चलते कई आरोपी सलाखों के पीछे (जेल) भी भेजे जा चुके हैं। इसके बावजूद, इस अवैध धंधे से होने वाली मोटी और आसान कमाई के चलते लोग बार-बार इस गैर-कानूनी रास्ते की ओर रुख कर रहे हैं।

**स्थानीय नागरिकों में नाराजगी, सख्त कार्रवाई की मांग** - क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों और स्थानीय रहवासियों ने पुलिस और आबकारी विभाग के उच्च अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकर्षित करते हुए मांग की है कि बरतूंगा क्षेत्र में सक्रिय इन अवैध शराब विक्रेताओं (देवराज और दूरी) पर जल्द से जल्द और कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रह सके और युवा पीढ़ी इस अवैध नशे की गिरफ्त में आने से बच सके।

## छग हॉकी लीग: न्यायधानी नाइट्स ने सेमीफाइनल के लिए जगह बनाई



विश्व केसरी■

**बिलासपुर ( शैलेन्द्र केशरवानी )**। बेलाडीला बुल्स के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत के साथ न्यायधानी नाइट्स ने छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के सेमीफाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव की मौजूदगी में न्यायधानी नाइट्स ने अपने तीनों मैच जीते हैं और वे पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर, बेलाडीला बुल्स अभी भी पॉइंट्स टेबल में

सबसे नीचे की ओर है। टीम ने अब तक एक भी मैच नहीं जीता है। आज का मैच लीग की सबसे मजबूत डिफेंस (रक्षा पंक्ति) वाली दो टीमों के बीच मुकाबला था। लीग के बाकी मुकाबलो से इसमें अलग मैच पक्की कर ली है। उप मुख्यमंत्री तथा हार्ड-स्कोरिंग मैच देखने के आदी हैं, लेकिन इस मुकाबले में दोनों टीमों का डिफेंस बहुत मजबूत दिखा। कम से कम पहले क्वार्टर में तो यही देखने को मिला, जिसमें कोई गोल नहीं हुआ।

## हसौद में तास पती से जुए का खेल को लेकर दीपावली पर्व में पुलिस की निगरानी बढ़ाने की मांग

विश्व केसरी■

**सक्ती ( ईश्वर लोधी )**। जिले के हसौद थाना क्षेत्र से लगे ग्रामीण अंचलों में इन दिनों कथित तौर पर काट पती नामक जुए का खेल जोर पकड़ रहा है। स्थानीय स्तर पर मिल रही जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के कुछ गांवों में जुआ खेलने और खिलाने वाले लोगों की सक्रियता बढ़ने की बात सामने आ रही है। दीपावली पर्व के दौरान इस तरह की गतिविधियों को लेकर ग्रामीणों में चिंता देखी जा रही है।

दीपावली का त्योहार खुशियों, आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक माना जाता है। ऐसे अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों में जुए जैसी गतिविधियों के बढ़ने की खबरें चिंता का विषय हैं। ग्रामीणों का मानना है कि जुए की लत के कारण कई परिवारों को आर्थिक पेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, जुए में रकम हारने के बाद उत्पन्न होने वाले विवाद भी सामाजिक माहौल को प्रभावित कर सकते हैं। स्थानीय स्तर पर यह आशंका भी जताई जा रही है कि जुए और



आर्थिक नुकसान के चलते कुछ लोग गलत गतिविधियों की ओर बढ़ सकते हैं। हालांकि, जुए के कारण चोरी या अन्य आपराधिक घटनाएं होने की पुष्टि संबंधित मामलों की जांच के बिना नहीं की जा सकती।

**पुलिस निगरानी बढ़ाने की जरूरत-** दीपावली पर्व को देखते हुए हसौद थाना क्षेत्र के गांवों में पुलिस गश्त और निगरानी बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही है। यदि किसी स्थान पर अवैध रूप से जुआ संचालित हो रहा है, तो उसकी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

# महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शंकर मंदिर में गूंजे श्रद्धा के स्वर, पूजा-अर्चना कर आदिकवि को किया नमन

विश्व केसरी■

**मुंगेली ( रवि शुक्ला )**। महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन अवसर पर 25 अक्टूबर को मुंगेली नगर स्थित शंकर मंदिर में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना, वंदना एवं जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने आदिकवि महर्षि वाल्मीकि का श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। साथ ही उनके आदर्शों, विचारों और शिक्षाओं को जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन भारतीय संस्कृति, साहित्य और आध्यात्मिक परंपरा की अमूल्य



धरोहर है। उनके द्वारा रचित रामायण ने सदियों से समाज को सत्य, धर्म, मर्यादा, त्याग, कर्तव्यपरायणता और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी है।

**आदिकवि महर्षि वाल्मीकि के**

**योगदान को किया याद** - महर्षि वाल्मीकि को संस्कृत साहित्य के आदिकवि के रूप में प्रतिष्ठित माना जाता है। उनके द्वारा रचित रामायण भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन एवं चरित्र का वर्णन करने के साथ ही समाज को

नैतिक और मानवीय मूल्यों की शिक्षा देती है। रामायण में वर्णित सत्य, धर्म, मर्यादा, त्याग, करुणा और कर्तव्य के संदेश आज भी समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। उनके विचार समाज में सद्भाव, संस्कार, नैतिकता और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने की प्रेरणा देते हैं। परंपरागत मान्यताओं के अनुसार महर्षि वाल्मीकि के पिता का नाम महर्षि प्रचेता तथा माता का नाम चर्षणी बताया जाता है, हालांकि उनके जीवन से संबंधित विभिन्न परंपराओं एवं ग्रंथों में अलग-अलग उल्लेख भी मिलते हैं।



# शेयर बाजार ने जोरदार की वापसी, मार्केट कैप करीब 5 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

**विश्व केसरी ■**  
मुंबई। भारतीय शेयर बाजार ने सोमवार को लगातार चार सत्रों की गिरावट के बाद दमदार वापसी की। दिन के अंत में सेंसेक्स 482.92 अंक या 0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,606.75 और निफ्टी 153.20 अंक या 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,675 पर बंद हुआ।  
इस तेजी से बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केट कैप करीब 5 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 456 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो कि शुक्रवार को करीब 451 लाख करोड़ रुपए था।



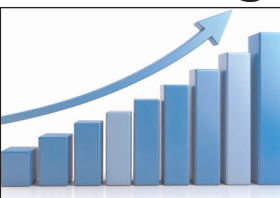
बाजार में व्यापक आधार पर तेजी देखी गई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 245.55 अंक या 1.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,985.00 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 664.75 अंक या 1.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ 56,465.40 पर बंद हुआ।  
सूचकांकों में निफ्टी मेटल (2.21 प्रतिशत), निफ्टी हेल्थकेयर (1.77 प्रतिशत)

और निफ्टी फार्मा (1.76 प्रतिशत) की मजबूती के साथ टॉप गेनर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी कमोडिटीज (1.60 प्रतिशत), निफ्टी एनर्जी (1.46 प्रतिशत), निफ्टी ऑयल एंड गैस (1.35 प्रतिशत), निफ्टी इन्फ्रा (1.25 प्रतिशत), निफ्टी इंडिया डिफेंस (1.18 प्रतिशत), निफ्टी पीएसई (1.12 प्रतिशत), निफ्टी इंडिया मैनुफैक्चरिंग (1.03 प्रतिशत)

अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल, इन्फोसिस, एक्सिस बैंक, एलएंडटी, एशियन पेट्रोल, एनटीपीसी, टाइटन, आईटीसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, टीसीएस, एबीआई और एमएंडएम गेनर्स थे। दूसरी तरफ बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, मारुति सुजुकी, एचसीएल टेक और पावर ग्रिड लूजर्स थे।  
वहीं, एचयूएल और सन फार्मा सपाट बंद हुए। जानकारों ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार आज के सत्र में रिकवरी देखने को मिली, जिसमें वैल्यू बाईंग और मेटल, बिजली और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों का मजबूती का योगदान रहा। हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, भू-राजनीतिक अनिश्चितता और फेड, ईसीबी और बैंक ऑफ जापान के नीतिगत फैसलों से पहले बरती जा रही सतर्कता ने बाजार के रुख को संतुलित रखा। उन्होंने आगे कहा कि पिछले सप्ताह की तेज गिरावट के बाद मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में भी कुछ सुधार देखने को मिला, हालांकि निवेशक चुनिंदा बने रहे और उन्होंने मुनाफे की स्पष्टता और बेहतर वैल्यूएशन को प्राथमिकता दी।

## भारत के कंज्यूमर और रिटेल क्षेत्र में तीसरी तिमाही में हुई 127 डीलस

**विश्व केसरी ■**  
नई दिल्ली। भारत के कंज्यूमर और रिटेल क्षेत्र में 2026 की तीसरी तिमाही में 127 डीलस रिकॉर्ड की गई हैं और इनकी वैल्यू करीब 1.92 अरब डॉलर रही। इसमें विलय और अधिग्रहण (एमएंडए), प्राइवेट इक्विटी एवं वेंच कैपिटल (पीईएंडवीसी) और पब्लिक मार्केट लेनदेन शामिल हैं। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।  
ग्रांट थॉर्नटन भारत की एक रिपोर्ट के अनुसार, आईपीओ और क्यूआईपी को छोड़कर, एमएंडए और पीई/वीसी की ओर से कंज्यूमर और रिटेल क्षेत्र में 113 डीलस की गई हैं, जिनका कुल मूल्य 94.8 करोड़ डॉलर रहा। पिछली तिमाही की तुलना में, डीलस की संख्या में 19 प्रतिशत और उनके कुल मूल्य में 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।  
आईपीओ और क्यूआईपी का योगदान 97.5 करोड़ डॉलर रहा, जो कुल डील वैल्यू का 51 प्रतिशत है। वहीं, निवेशकों की दिलचस्पी मुख्य रूप से ब्रांडेड कंज्यूमर व्यवसायों,



खासकर ज्वेलरी, कपड़े और लाइफस्टाइल से जुड़े क्षेत्रों में बनी रही।  
2026 की तीसरी तिमाही में एमएंडए गतिविधियों के तहत 22.9 करोड़ डॉलर मूल्य की 29 डीलस हुईं, जबकि दूसरी तिमाही में 17.9 करोड़ डॉलर मूल्य की 19 डीलस हुई थीं। घरेलू डीलस की संख्या कुल डीलस का 76 प्रतिशत और उनका कुल मूल्य 86 प्रतिशत रहा, जो भारतीय रणनीतिक खरीदारों द्वारा किए जा रहे एकीकरण को दर्शाता है। कपड़ा, परिधान और आभूषण क्षेत्र का एमएंडए मूल्य में 59 प्रतिशत योगदान रहा। पर्सनल केयर और एफएमसीजी क्षेत्रों में भी रणनीतिक खरीदारों ने दिलचस्पी दिखाई, क्योंकि वे अपने पीएफएलियों को मजबूत करना चाहते थे। पीईएंडवीसी गतिविधियां

डीलस में सबसे बड़ा योगदान देने वाली रहीं। इसमें 71.9 करोड़ डॉलर मूल्य के 84 सौदे हुए, जो कुल डीलस की संख्या का 74 प्रतिशत और एमएंडए और पीई/वीसी डीलस के कुल मूल्य का 76 प्रतिशत है। इसके अलावा, वॉल्यूम के हिसाब से निवेश गतिविधियों में तिमाही-दर-तिमाही 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें अली-स्टेज और मिड-मार्केट के डीलस ने मुख्य भूमिका निभाई। रिपोर्ट के अनुसार, रिटेल टेक्नोलॉजी क्षेत्र में सबसे अधिक निवेश आया।  
पर्सनल केयर सेगमेंट में डीलस के मूल्य में छह गुना वृद्धि दर्ज की गई, जबकि ई-कॉमर्स, 2024 की चौथी तिमाही के बाद पहली बार, वॉल्यूम के लिहाज से सबसे सक्रिय सेगमेंट बनकर उभरा। तीसरी के दौरान पब्लिक मार्केट की गतिविधियों में तेजी आई; नौ आईपीओ के जरिए 71.3 करोड़ डॉलर और पांच क्यूआईपी के जरिए 26.2 करोड़ डॉलर जुटाए गए।

## एथेनॉल-आधारित मोबिलिटी को बढ़ावा; प्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए सरकार ने लागू किए ई100 ईंधन मानक

**विश्व केसरी ■**  
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एथेनॉल-आधारित हरित ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में संशोधन किया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सोमवार से प्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए 100 प्रतिशत एथेनॉल (ई100) ईंधन से संबंधित नए उत्सर्जन और ईंधन मानक लागू हो गए हैं।  
नए नियमों के तहत सरकार ने विभिन्न उत्सर्जन मानकों और परीक्षण प्रक्रियाओं में केवल ई85 ईंधन के संदर्भों को बदलकर ई85 या ई100 कर दिया है। इससे प्लेक्स-फ्यूल वाहनों में 100 प्रतिशत एथेनॉल ईंधन के उपयोग का मार्ग प्रशस्त हो गया है। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि ई85 या ई100 ईंधन का उपयोग केवल उन्हीं प्लेक्स-फ्यूल वाहनों में किया जा सकेगा, जिन्हें मूल उपकरण



निर्माता (ओईएम) इस प्रकार के ईंधन के लिए डिज़ाइन करेंगे। संशोधित नियमों में कुछ वाहन और ईंधन श्रेणियों में भी बदलाव किए गए हैं। उदाहरण के लिए, एक उत्सर्जन तालिका में सकल वाहन भार की सीमा 3,000 किलोग्राम से बढ़ाकर 3,500 किलोग्राम कर दी गई है। इसके अलावा हाइड्रोजन-

की लागत लगभग 25 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल के बराबर हो सकती है।

उन्होंने यह भी कहा था कि 'दुनिया के 19 देशों में एथेनॉल का उपयोग हो रहा है और भारत में भी अब तक इससे वाहनों को लेकर कोई बड़ी शिकायत सामने नहीं आई है।'

इस बीच, ब्रिकवर्क रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि यदि देश में ई25 मिश्रण का लक्ष्य हासिल किया जाता है तो वित्त वर्ष 2030-31 तक एथेनॉल की मांग बढ़कर 17.9 अरब लीटर तक पहुंच सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान 18.25 अरब लीटर की स्थापित डिस्टिलेशन क्षमता इस मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। यदि एथेनॉल मिश्रण स्तर ई20 पर बना रहता है, तब भी मांग लगभग 14.3 अरब लीटर रहने का अनुमान है, जब मौजूदा क्षमता के लगभग 78 प्रतिशत उपयोग के बराबर होगा।

## भारत में ऑफिस लीजिंग तीसरी तिमाही में मजबूत रही, बीएफएसआई और प्लैक्स स्पेस से मिला सपोर्ट : रिपोर्ट

**विश्व केसरी ■**  
नई दिल्ली। भारत का ऑफिस रियल एस्टेट मार्केट 2026 की जुलाई-सितंबर तिमाही में मजबूत रहा है और इस दौरान बीएफएसआई और प्लैक्स स्पेस कंपनियों की ओर से मांग को सपोर्ट मिला है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।  
वर्कप्लेस सॉल्यूशंस फर्म वेस्टियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में ऑफिस स्पेस की खपत 2026 की तीसरी तिमाही में 23.7 मिलियन स्क्वायर फीट रही है। इसमें सालाना आधार पर 20 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। हालांकि, भू-राजनीतिक अस्थिरता के चलते मांग तिमाही आधार पर समान रही है।  
रिपोर्ट में बताया कि 2026 तीसरी तिमाही में ऑफिस स्पेस की खपत का आंकड़ा अब तक रिकॉर्ड किया गया सबसे बड़ा डेटा है।



इसमें बड़े शहरों में ग्रेड-ए के ऑफिस स्पेस की मांग मजबूत रही है। हालांकि, आईटी-आईटीईएस सेक्टर ऑफिस लीजिंग में सबसे बड़ा योगदानकर्ता बना रहा, लेकिन कुल खपत में इसकी हिस्सेदारी 2026 की दूसरी तिमाही के 41 प्रतिशत और 2025 की तीसरी तिमाही के 31 प्रतिशत से घटकर इस तिमाही में 23 प्रतिशत रह गई।

रिपोर्ट के अनुसार, इसके विपरीत बैंकिंग, फार्मेशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस (बीएफएसआई) सेक्टर की हिस्सेदारी में भारी उछाल आया और यह 20 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो पिछली तिमाही में 8 प्रतिशत और एक साल पहले 15 प्रतिशत थी।  
प्लेक्सिबल वर्कस्पेस ऑपरेटर ने 2026 की तीसरी तिमाही में ऑफिस स्पेस की खपत

को बढ़ावा दिया। इस दौरान कुल लीजिंग में प्लेक्स स्पेस और मैनेज्ड ऑफिस की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत रही। यह पिछले तिमाही के 22 प्रतिशत से थोड़ा कम है, लेकिन एक साल पहले दर्ज किए गए 14 प्रतिशत से काफी अधिक है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस तिमाही में कुल लीजिंग गतिविधि में बीएफएसआई और प्लेक्स स्पेस का संयुक्त योगदान 40 प्रतिशत रहा।

रिपोर्ट के मुताबिक, मांग के बदलते पैटर्न का असर अलग-अलग शहरों में भी देखने को मिला। चेन्नई, हैदराबाद और कोलकाता में बीएफएसआई कंपनियां ऑफिस स्पेस खपत को बढ़ावा देने में आगे रहीं, जबकि पुणे और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में प्लेक्सिबल वर्कस्पेस ऑपरेटर्स की लीजिंग गतिविधि सबसे ज्यादा रही।

## सोने-चांदी में लौटी चमक, सिल्वर में 0.74 प्रतिशत की उछाल

**विश्व केसरी ■**  
नई दिल्ली। कई दिनों की लगातार गिरावट के बाद हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में रिकवरी देखने को मिली। पिछले सप्ताह सोना और चांदी दोनों तेज दबाव में रहे थे, लेकिन कारोबारी सप्ताह के पहले दिन अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में खरीदारी लौटने से दोनों कीमती धातुओं के भाव में तेजी दर्ज की गई। हालांकि बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यह फिलहाल तकनीकी रिकवरी है और निवेशकों की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 27-28 अक्टूबर को होने वाली नीतिगत बैठक और अमेरिका के पीसीई मुद्रास्फीति आंकड़ों पर बनी हुई है।  
मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का दिसंबर वायदा भाव करीब 0.50 प्रतिशत यानी 761 रुपए चढ़कर 1,42,733 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार करता दिखाई दिया। वहीं चांदी का दिसंबर वायदा भाव 0.49 प्रतिशत यानी 968 रुपए की तेजी के साथ 1,96,687 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया।  
वहीं दैनिक कारोबार में सोना एक समय अपने पिछले बंद भाव 1,42,024 रुपए से 864 रुपए यानी 0.60 प्रतिशत उछलकर 1,42,888 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास पर पहुंच गया था, तो वहीं चांदी एक समय अपने पिछले बंद 1,95,719 रुपए से 1,467 रुपए यानी 0.74 प्रतिशत उछलकर 1,97,186 रुपए के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी।



पिछले सप्ताह सोना करीब 4 प्रतिशत और चांदी 7 प्रतिशत से अधिक टूट गई थी, ऐसे में निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी दिखाई।  
अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोना और चांदी दोनों में सुधार देखा गया। सोमवार सुबह के कारोबार में सोना 0.48 प्रतिशत चढ़कर 4,027 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखाई दिया, हालांकि इसने 0.50 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त के साथ 4,032.90 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर छुआ।  
गौरतलब है कि पिछले सप्ताह स्पॉट गोल्ड पहली बार जुलाई के बाद 4,000 डॉलर प्रति औंस के नीचे फिसल गया था, जिससे बाजार में भारी दबाव बन गया था। विश्लेषकों के अनुसार, 4,000 डॉलर का स्तर सोने के लिए एक

## रायपुर की बेटी सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट सुगंधा जैन ने डब्ल्यूआईआई देहरादून में दी पोश पर मैडेट ट्रेनिंग

**विश्व केसरी ■**  
रायपुर (संवाददाता)। राजधानी रायपुर में पढ़ी-बढ़ी सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट सुगंधा जैन ने देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान में पोश पर मैडेट ट्रेनिंग दी।  
संस्थान में 22 और 23 अक्टूबर को दो दिवसीय मैडेट ट्रेनिंग का आयोजन डब्ल्यूआईआई के एम्प्लॉईज के लिए किया गया था।  
इस सत्र की सबसे खास बात इसका इंटरैक्टिव होना रहा। यह अब तक का सबसे ज्यादा

इंटरैक्टिव सेशन बताया जा रहा है, जहाँ डब्ल्यूआईआई के एम्प्लॉईज खुलकर अपनी बात रख पाए, अपने सवाल पूछ पाए और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पा सके।  
एडवोकेट सुगंधा जैन ने पोश एक्ट 2013, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की परिभाषा, इंटरनल कमेटी के गठन और उसकी कार्यप्रणाली, शिकायत करने की प्रक्रिया और शिकायतकर्ता के अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।



## एमएमआई नारायणा हॉस्पिटल रायपुर में फेफड़ों की सेहत और सांस से जुड़ी बीमारियों पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

**विश्व केसरी ■**  
रायपुर (संवाददाता)। एमएमआई नारायणा हॉस्पिटल रायपुर ने सांस की सेहत से जुड़े जागरूकता सप्ताह के दौरान 'हर सांस, हर पल' विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की। इसका उद्देश्य लोगों को फेफड़ों की सेहत, सांस से जुड़ी आम बीमारियों और उनसे बचाव के तरीकों के बारे में जागरूक करना था। चर्चा में विशेषज्ञों ने बताया कि प्रदूषण, धूम्रपान, संक्रमण और रोजमर्रा की कुछ आदतें फेफड़ों को कैसे प्रभावित कर सकती हैं और समय पर इलाज क्यों जरूरी है।  
इस चर्चा में डॉ. दिपेश मस्के, सीनियर कंसल्टेंट, पल्मोनोलॉजी; डॉ. आकांक्षा सरडा नहीं करना चाहिए। इन्हें केवल मौसम, उम्र या धकान का असर मानने के बजाय डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। विशेषज्ञों ने बाहर और घर के अंदर होने वाले वायु प्रदूषण के बारे में भी बात की। खाना बनाने समय निकलने वाली धुआं, सिगरेट का धुआं, बेपिंग और ई-



लिया। चर्चा के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि लोग अक्सर फेफड़ों की सेहत पर तब ध्यान देते हैं, जब पेशानी बढ़ जाती है। लगातार खांसी, सांस फूलना या सांस लेते समय घरघराहट जैसी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इन्हें केवल मौसम, उम्र या धकान का असर मानने के बजाय डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। विशेषज्ञों ने बाहर और घर के अंदर होने वाले वायु प्रदूषण के बारे में भी बात की। खाना बनाने समय निकलने वाली धुआं, सिगरेट का धुआं, बेपिंग और ई-

सिगरेट फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अगरबत्ती, मच्छर भुगाने वाली कॉइल और रूम फ्रेशनर से निकलने वाला धुआं या खुशबूदार कण भी कुछ लोगों में सांस की तकलीफें पैदा कर सकते हैं। विशेषज्ञों ने घर और काम की जगह पर प्रदूषण से बचने के आसान तरीके बताए। उन्होंने यह भी समझाया कि ह95 मास्क प्रदूषण के कुछ कणों से बचाव में मदद कर सकता है, लेकिन यह हर तरह के प्रदूषण से पूरी सुरक्षा नहीं देता। पैनल में अस्थमा और सीओपीडी जैसी बीमारियों से

जुड़ी आम गलतफहमियों पर भी चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि अस्थमा केवल बचपन में ही नहीं, बल्कि बड़ों में भी हो सकता है। उन्होंने इनहेलर के सही इस्तेमाल और उससे जुड़ी चिंताओं को दूर करने पर जोर दिया। डॉक्टर की कंसल्टेशन के अनुसार इनहेलर का इस्तेमाल करना चाहिए और गलतफहमी या इसकी आदत पड़ने के डर से दवा अपने आप बंद नहीं करनी चाहिए। सांस से जुड़े संक्रमण और टीबी भी चर्चा के अहम विषय रहे। विशेषज्ञों ने बताया कि लंबे समय तक खांसी रहने या दूसरे चिंताजनक लक्षण दिखने पर डॉक्टर से जांच करानी चाहिए। जरूरत के अनुसार टीकाकरण और बचाव के दूसरे उपाय भी अपनाने चाहिए। बुजुर्गों में निमोनिया का खतरा और उससे होने वाली परेशानियां अधिक गंभीर हो सकती हैं। मोटापा और नींद के दौरान सांस रुकने की समस्या, जिसे स्लीप एपनिया कहते हैं, भी फेफड़ों की सेहत को प्रभावित कर सकती है।



## सोलह श्रृंगार में क्या-क्या आता है? जानें हिन्दूओं में शादीशुदा महिलाएं क्यों करती हैं सोलह श्रृंगार



सोलह श्रृंगार में सोलह चीजों का इस्तेमाल होता है। इसे शादीशुदा महिलाएं पूजा-पाठ जैसे खास मौकों पर करती है। इसी कड़ी में 29 अक्टूबर को करवा चौथ का व्रत वैवाहिक जीवन और प्रेम का प्रतीक करके अपनी सुहाग को लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करेगी। लेकिन क्या आप जानते हैं, सोलह श्रृंगार में क्या-क्या चीजें आती हैं और इसका क्या महत्व है। चलिए इस लेख में समझते हैं।

हिंदू परंपराओं में सोलह श्रृंगार को सुंदरता, सौभाग्य और सुहाग का प्रतीक माना जाता है। ये परंपरा माता पार्वती से भी जुड़ी है, जिन्हें सुखी वैवाहिक जीवन और प्रेम का प्रतीक माना जाता है। सोलह श्रृंगार का अर्थ है सोलह तरह की सजने-संवरने की चीजें। इसमें मेकअप, आभूषण, कपड़े और अन्य पारंपरिक सजने-संवरने की वस्तुएं शामिल होती हैं।

करवा चौथ पर भी कई महिलाएं पूजा और चंद्रमा को अर्घ्य देने से पहले सोलह श्रृंगार करती हैं।

सोलह श्रृंगार में शामिल हैं ये 16 चीजें: सिंदूर- सिंदूर को सुहाग का प्रतीक माना जाता है। विवाहित महिलाएं मांग में सिंदूर लगाती हैं। करवा चौथ पर इसे लगाना कई महिलाओं के लिए खास परंपरा है।

बिंदी- माथे पर लगाई जाने वाली बिंदी चेहरे की सुंदरता बढ़ाती

है। लाल बिंदी को शुभता और पारंपरिक सौंदर्य और मातृत्व से जोड़कर देखा जाता है। ये भी माना जाता है कि बिंदी लगाने से एकाग्रता बढ़ती है और मानसिक शक्ति में सुधार होता है।

काजल- काजल आंखों को आकर्षक बनाता है और मेकअप को पूरा करता है। पारंपरिक मान्यताओं में इसे बुरी नजर से बचाव से भी जोड़ा जाता है। पुराने समय में इसे घी से तैयार किया जाता था, माना जाता था कि इससे आंख की सफाई होती है और रोशनी तेज होती है। हालांकि इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

मेहंदी- मेहंदी करवा चौथ की खास पहचान है। महिलाएं हाथों और

कभी-कभी पैरों पर भी सुंदर डिजाइन बनवाती हैं। इसे प्रेम, खुशी और शुभ अवसरों का प्रतीक माना जाता है।

चूड़ियां- लाल, हरी और रंग-बिरंगी चूड़ियां पारंपरिक श्रृंगार का अहम हिस्सा हैं। कई समुदायों में इन्हें सुहाग और खुशहाली से जोड़कर देखा जाता है। ये भी माना जाता है कि चूड़िया बनने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है।

मंगलसूत्र- मंगलसूत्र विवाहित महिलाओं के लिए विवाह के बंधन का प्रतीक है। इसमें अक्सर काले मोती और सोने के डिजाइन होते हैं।

हालांकि पहले ये सिर्फ एक धागा हुआ करता था।



### न टीवी, न मोबाइल! बेटी की परवरिश के लिए असिन ने अपनाया खास तरीका, घर में भर रखा है ये खजाना



अभिनेत्री असिन और उनके पति राहुल शर्मा ने अपनी बेटी अरिन को टीवी और मोबाइल से दूर रखा है। उनके घर में किताबों और सीखने का माहौल है, जहां अरिन को कई भाषाओं में रुचि है।

आमिर खान की फिल्म 'गजनी' से बॉलीवुड में पहचान बनाने वाली हिरोइन असिन थोढ़ाकल अब फिल्मों से दूर हैं। 26 अक्टूबर को असिन अपना 41वां जन्मदिन मना रही हैं। वह अपनी बेटी अरिन रेन शर्मा की परवरिश पर खास ध्यान देती हैं। उनके पति और माइक्रोमैक्स के सह-संस्थापक राहुल शर्मा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनकी बेटी अब तक टीवी और मोबाइल फोन से दूर है। उनके घर में किताबों को खास जगह दी जाती है। राहुल ने बेटी की परवरिश में असिन की भूमिका की भी तारीफ की।

1. बेटी को टीवी और मोबाइल से रखा दूर आजकल छोटे बच्चे भी मोबाइल फोन और टीवी पर काफी समय बिताते हैं। वे वीडियो देखते हैं और गेम खेलते हैं। लेकिन असिन और राहुल शर्मा ने अपनी बेटी के लिए अलग तरीका अपनाया है। राहुल ने MyGov India के साथ बातचीत में बताया था कि उनकी बेटी को अब तक टीवी और मोबाइल इस्तेमाल करने की आदत नहीं डाली गई है। उनका मानना है कि बच्चों को किताबें पढ़ने और दूसरी गतिविधियों में समय बिताने का मौका मिलना चाहिए।

2. घर में किताबों की भरमार राहुल शर्मा ने बताया था कि उनके घर में बहुत सारी किताबें हैं। उन्होंने कहा कि घर में उनकी बेटी के स्कूल से भी ज्यादा किताबें हो सकती हैं। अरिन दूसरी कक्षा में पढ़ती हैं।

## ट्रैवलिंग के दौरान हो जाते हैं बीमार? घूमने का मजा न हो खराब, बैग में जरूर रखें ये 5 चीजें



घूमने जाने का प्लान हो और सफर के दौरान तबीयत खराब हो जाए, तो सारा मजा किरकिरा हो जाता है। ऐसे में ट्रिप पर निकलने से पहले बैग में कुछ जरूरी चीजें जरूर रखनी चाहिए, ताकि छोटी-मोटी परेशानियों से निपटने में मदद मिल सके...

घूमने जाने का प्लान हो और सफर के दौरान ही तबीयत खराब हो जाए, तो सारी मौज-मस्ती फीकी पड़ जाती है। कभी सिरदर्द, कभी उल्टी तो कभी पेट खराब होने की वजह से घूमने का प्लान भी बदलना पड़ता है। सफर में खानपान बदलने, कम नींद लेने और साफ-सफाई का ध्यान न रखने से ऐसी

परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए ट्रिप पर जाने से पहले कपड़ों के साथ कुछ जरूरी चीजें भी बैग में रख लें। ये छोटी-छोटी चीजें जरूरत पड़ने पर आपके काम आ सकती हैं।

सफर के दौरान बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, होटल और घूमने वाली जगहों पर कई चीजों को खूना पड़ता है। ऐसे में हाथों की सफाई का ध्यान रखना जरूरी है। अपने बैग में हैंड सैनिटाइजर जरूर रखें। ऐसा सैनिटाइजर चुनें, जिसमें कम से कम 60 प्रतिशत अल्कोहल हो। खाना खाने से पहले हाथ साफ करें। अगर साबुन और पानी मिल जाए, तो उनसे हाथ धोना सबसे अच्छा है।

सफर में उल्टी या दस्त होने पर शरीर में पानी की कमी हो सकती है। ज्यादा गर्मी में पसीना आने से भी शरीर में पानी और जरूरी लवण कम हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में ओआरएस का गोल मदद कर सकता है। इसलिए अपने बैग में ओआरएस के कुछ पैकेट रखें। इसे पैकेट पर लिखे निर्देशों के अनुसार साफ पानी में मिलाकर पिएं। अगर उल्टी या दस्त लगातार हो रहे हैं, तो डॉक्टर से सलाह लें।

अगर आपको सफर में सिरदर्द, एलर्जी या उल्टी जैसी परेशानी होती है, तो डॉक्टर की सलाह से जरूरी दवाइयां साथ रखें। अगर आप रोज कोई दवा लेते हैं, तो ट्रिप के दिनों

के हिसाब से उसकी पर्याप्त मात्रा जरूर रख लें। दवाइयों को उनकी पैकिंग में ही रखें, ताकि उन्हें पहचानने में परेशानी न हो। बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक या दूसरी दवाइयां न लें।

घूमते समय कभी पैर में चोट लग जाती है, तो कभी हाथ-पैर छिल जाते हैं। ऐसी छोटी-मोटी परेशानियों के लिए बैग में फर्स्ट एड किट रखना अच्छा रहता है। इसमें बैंडेज, मेडिकल टेप, गॉज और एंटीसेप्टिक वाइप्स रख सकते हैं। इससे छोटी चोट की शुरुआती देखभाल की जा सकती है। अगर चोट गहरी है या खून नहीं रुक रहा है, तो डॉक्टर की मदद लें।

अगर आप घूमने के लिए ऐसी जगह जा रहे हैं, जहां धूप तेज रहती है, तो सनस्क्रीन जरूर रखें। यह त्वचा को धूप से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करती है। वहीं, जंगल, पहाड़ या ऐसी जगहों पर जाने पर जहां मच्छर ज्यादा हों, मच्छरों से बचाने वाला उत्पाद साथ रखें। इसे इस्तेमाल करते समय पैक पर दिए निर्देशों का पालन करें।

इन पांच चीजों के अलावा सफर में कुछ छोटी आदतों का ध्यान रखना भी जरूरी है। पर्याप्त नींद लें, साफ पानी पिएं और ताजा व अच्छी तरह पका हुआ खाना खाएं।

## सर्दियों की शाम को खास बना देगा गरमागरम मैकरोनी सूप, टमाटर और रंग-बिरंगी सब्जियों से आएगा स्वाद

सर्दियों में गरमागरम सूप पीना बहुत से लोगों को पसंद होता है, लेकिन रोज एक ही तरह का सूप पीकर मन भर सकता है। अगर आप कुछ अलग बनाना चाहते हैं, तो इस बार घर पर सब्जियों से भरपूर मैकरोनी सूप तैयार कर सकते हैं। इस रेसिपी में मैकरोनी के साथ टमाटर की प्यूरी, प्याज, लहसुन, गाजर, शिमला मिर्च और स्वीट कॉर्न का इस्तेमाल किया जाता है। टमाटर और लहसुन से सूप को अच्छा स्वाद मिलता है, जबकि रंग-बिरंगी सब्जियां इसे और आकर्षक बनाती हैं। मैकरोनी को सब्जियों के साथ सूप में ही पकाया जाता है, जिससे वह सभी चीजों का स्वाद सोख लेती है।

सर्दियों में शाम होते ही कुछ गरमागरम और स्वादिष्ट खाने का मन करने लगता है। ऐसे में कोई चाय के साथ पकौड़े खाना पसंद करता है, तो कोई गरम सूप पीना चाहता है। हालांकि, रोज एक ही तरह का टमाटर या वेजिटेबल सूप पीकर कई बार मन भर जाता है।



अगर आप भी सूप में कुछ नया बनाना चाहते हैं, तो इस बार मैकरोनी सूप बनाकर देख सकते हैं। मैकरोनी, रोज एक ही तरह का टमाटर या वेजिटेबल सूप पीकर कई बार मन भर जाता है।

कि इसे बनाने के लिए बहुत ज्यादा सामग्री या लंबी तैयारी की जरूरत नहीं पड़ती। घर में रखी मैकरोनी, टमाटर, प्याज, लहसुन और कुछ सब्जियों की मदद से इसे आसानी से तैयार किया जा सकता है।

इसमें गाजर, शिमला मिर्च और स्वीट कॉर्न डालने से स्वाद के साथ रंग भी अच्छा आता है। वहीं, टमाटर की प्यूरी सूप को हल्का खट्टा स्वाद देती है और लहसुन की खुशबू इसे और भी स्वादिष्ट बना देती है।

बच्चों को भी मैकरोनी खाना पसंद होता है, इसलिए उनके लिए यह एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसे शाम की हल्की भूख में या रात के खाने से पहले परोसा जा सकता है। अगर आपके घर में सब्जियां खाने में आनाकानी की जाती है, तो इस तरह सूप बनाकर उन्हें खाने में शामिल कर सकते हैं। आइए जानते हैं घर पर मैकरोनी सूप बनाने का आसान तरीका।

मैकरोनी सूप बनाने के लिए क्या-क्या चाहिए? मैकरोनी सूप बनाने के लिए एक कप मैकरोनी और एक कप टमाटर की प्यूरी लें। इसके अलावा एक बड़ा प्याज, सात से आठ लहसुन की कलियां, आधा कप हरी शिमला मिर्च, आधा कप पीली शिमला मिर्च और आधा कप गाजर की जरूरत होगी। इसमें आधा कप स्वीट कॉर्न भी डालें। स्वाद के लिए एक छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर, थोड़ा इटैलियन मसाला और जरूरत के अनुसार नमक रखें। इसके अलावा एक बड़ा चम्मच तेल या मक्खन और करीब दो कप पानी

की जरूरत होगी। अगर आपको ज्यादा पतला सूप पसंद है, तो पानी की मात्रा बढ़ा सकते हैं। सबसे पहले सब्जियों को काटकर तैयार करें: इस रेसिपी को बनाने से पहले सभी सब्जियों को अच्छी तरह धो लें। अब प्याज और लहसुन को बारीक काट लें। इसके



बाद हरी और पीली शिमला मिर्च को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें। गाजर को भी बारीक काट लें, ताकि वह जल्दी पक जाए। अगर आप ताजा स्वीट कॉर्न इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उसके दाने अलग कर लें। सब्जियों को छोटे आकार में काटने से सूप पीते समय हर चम्मच में

मैकरोनी के साथ सब्जियों का स्वाद भी मिलेगा। इसके अलावा सभी चीजें लगभग एक साथ पकने में भी आसानी होगी।

प्याज और लहसुन को मक्खन में भूनें: अब गैस पर एक गहरा पैन या कड़ाही रखें। इसमें एक बड़ा चम्मच मक्खन या तेल डालकर गर्म

### ट्रेन का टिकट कन्फर्म है, लेकिन सफर आरामदायक होगा या नहीं? कोच चुनते समय इन बातों पर दें ध्यान



ट्रेन का कन्फर्म टिकट मिल जाना सफर की सबसे बड़ी चिंता जरूर कम कर देता है, लेकिन आरामदायक यात्रा के लिए सिर्फ टिकट कन्फर्म होना काफी नहीं है। आपने कौन-सा कोच चुना है, आपकी सीट कहाँ है और सफर दिन का है या रात का, इन बातों का भी काफी असर पड़ता है। एक ही ट्रेन में Sleeper, AC 3 Tier, AC 2 Tier, AC First Class, Chair Car और Second Sitting जैसे अलग-अलग विकल्प मिल सकते हैं।

IRCTC की बुकिंग जानकारी में भी अलग-अलग यात्रा क्लास के विकल्प दिए जाते हैं। ऐसे में टिकट बुक करते समय अपनी जरूरत और बजट के हिसाब से कोच चुनना समझदारी है।

सफर की लंबाई देखकर चुनें कोच अगर यात्रा कुछ घंटों की है और दिन में पूरी होनी है, तो Chair Car या दूसरी बैठने वाली क्लास सुविधाजनक हो सकती है। वहीं रातपर या लंबी दूरी का सफर है तो सोने की सुविधा वाला कोच ज्यादा आरामदायक रहता है। लंबे सफर में AC 3 Tier, AC 2 Tier या AC First Class जैसे विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। बजट कम हो तो Sleeper भी एक विकल्प है। हालांकि, किस कोच में कितनी सीटें और किस तरह की बर्थ होंगी, यह ट्रेन के हिसाब से अलग हो सकता है।

AC कोच चुनने का मतलब यह नहीं है कि हर यात्री के लिए वही सबसे अच्छा विकल्प होगा, अगर आपको खुली हवा पसंद है, बार-बार सामान निकालना पड़ता है या सफर छोटा है।



## ‘मैं भी अपनी शर्तों पर जीती हूं’, ‘दिल पड़ोसी’ में दीया का किरदार निभाने पर बोलीं न्यारा एम बनर्जी

**मुंबई।** अभिनेत्री न्यारा एम बनर्जी इन दिनों अपनी सीरीज ‘दिल पड़ोसी’ को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में वह दीया का किरदार निभा रही हैं। न्यारा का कहना है कि उन्हें इस किरदार की सबसे खास बात यह लगी कि दीया बिना किसी झिझक के अपनी पहचान के साथ जीती है। वह अपने फैसले खुद लेती है। निजी जिंदगी में वह खुद भी इसी तरह की सोच रखती हैं, इसलिए उन्हें दीया का किरदार पसंद आया।

### दीया के किरदार के बारे में

बात करते हुए न्यारा ने कहा, “सच कहूं तो मैं दीया की तरफ इसलिए आकर्षित हुई, क्योंकि मैं भी उसकी ही तरह हूँ। उसके अंदर महत्वाकांक्षा है, आत्मविश्वास है और उसे अच्छी तरह पता है कि वह कौन है। मुझे इस किरदार को निभाते हुए काफी अच्छा लगा। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सबसे दिलचस्प किरदार वही होते हैं, जिन्हें आसानी से किसी एक खांचे में नहीं रखा जा सकता। दीया भी उन्हीं में से एक है।”

“दीया जिंदगी में सबकुछ अपने आप होने का इंतजार नहीं करती, बल्कि खुद आगे बढ़कर चीजों को बदलने की कोशिश करती है। मुझे इस किरदार का यही अंदाज पसंद आया।”  
— न्यारा एम बनर्जी



### शेमारूमी के साथ काम का अनुभव

न्यारा ने आगे कहा, “शेमारूमी के साथ ‘दिल पड़ोसी’ में काम करने का अनुभव मेरे लिए काफी दिलचस्प रहा। इस कहानी में कलाकारों को अपने किरदारों के अलग-अलग पहलुओं को दिखाने का मौका मिलता है। यही वजह है कि दीया जैसा किरदार निभाना मेरे लिए खास रहा। मेरा मानना है कि ऐसे किरदार ही सबसे ज्यादा दिलचस्प होते हैं, जो अपनी अलग सोच रखते हैं और जिन्हें सिर्फ अच्छा या बुरा कहकर समझना आसान नहीं होता।”

“दीया मेरे जैसी है, इसलिए मुझे वह किरदार बहुत पसंद आया”  
— न्यारा एम बनर्जी

## प्यार के दर्द और जुदाई की खामोशी को बयां करता है गाना ‘मरके विखावांगा’: अमित गुप्ता



विश्व केसरी ■

**मुंबई।** सिंगर अमित गुप्ता ने अपने नए गाने ‘मरके विखावांगा’ को प्यार के सबसे दर्दनाक पहलू से जुड़ा हुआ बताया है। उन्होंने कहा कि यह गाना किसी ऐसे इंसान को खोने के दर्द को बयां करता है, जो कभी आपकी जिंदगी में सब कुछ हुआ करता था। इस गाने के जरिए प्यार में दिल टूटने, जुदाई के बाद आने वाली खामोशी और रिश्ते के खत्म होने के बाद भी दिल में रह जाने वाली भावनाओं को दिखाने की कोशिश की गई है।

मोडिया के साथ खास बातचीत में अमित गुप्ता ने कहा कि ‘मरके विखावांगा’ प्यार के उस दर्द को दर्द के बारे में लिखना चाहता था, जो शोर नहीं करता। जब कोई इंसान उन्हीं को दिखाने की कोशिश की गई है।

उन्होंने कहा, “‘मरके विखावांगा’ एक एहसास के साथ शुरू हुआ था और बाद में गाने का रूप ले पाया। मैं ऐसे दिल टूटने के दर्द के बारे में लिखना चाहता था, जो शोर नहीं करता। जब कोई इंसान उन्हीं को दिखाने की कोशिश की गई है।

‘पता नहीं कहां भीख मांगेंगे’, दीपिका सिंह से शादी के बाद बदली रोहित राज गोयल के परिवार की जिंदगी

विश्व केसरी ■

**मुंबई।** टीवी डायरेक्टर रोहित राज गोयल ने अपनी पत्नी और एक्ट्रेस दीपिका सिंह की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि दीपिका ने न सिर्फ उन्हें, बल्कि उनके पूरे परिवार को अपनाया और उनका ख्याल रखा। ये सब बातें उन्होंने रियलिटी शो ‘पति पत्नी और पंगा’ में कही। शो में अपने परिवार और दीपिका के बारे में बात करते हुए रोहित इमोशनल हो गए।

उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा भी था, जब लोग उनके परिवार को लेकर ऐसी बातें कहते थे कि उनके बच्चों की शादी नहीं होगी और उन्हें आगे चलकर भीख मांगनी पड़ेगी, लेकिन दीपिका के साथ आने से लोगों की सोच बदली। शो में रोहित ने बताया कि दीपिका ने अपने करियर के पीक पर उनसे शादी करने का फैसला लिया

विखावांगा’ प्यार के सबसे दर्दनाक पहलू की झलक है। यह उस इंसान को खोने का दुख है, जो आपके लिए सब कुछ था। इस गाने के जरिए हम दिल टूटने के दर्द, प्यार खत्म होने के बाद छ जाने वाली खामोशी और उन भावनाओं को दिखाना चाहते थे, जो रिश्ता खत्म होने के बाद भी हमारे साथ रहती हैं। यह गाना मेरे लिए बेहद निजी है और मुझे उम्मीद है कि सुनने वाले इसकी सच्ची भावनाओं से जुड़ पाएंगे।”

सिंगर ने गाने के म्यूजिक वीडियो को लेकर भी अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा, “टीम इसे ज्यादा चमक-दमक वाला वीडियो बनाने के बजाय ऐसा रखना चाहती थी, जो सीधे दिल तक पहुंचे। इसके लिए क्लोज-अप शॉट्स, खामोशी और चेहरे के छोटे-छोटे भावों का इस्तेमाल किया गया।

था। उस समय दीपिका टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस थीं, लेकिन उन्होंने शादी के लिए ऐसे इंसान को चुना, जो एक जॉइंट फैमिली में रहता था।

रोहित ने कहा, “जैसा कि उन्होंने कहा, मैं उनका आशिक हूँ। लेकिन कोई आशिक ऐसे ही नहीं बन जाता। अपने करियर के पीक पर दीपिका ने शादी करने का फैसला लिया और वह भी ऐसे लड़के से, जो जॉइंट फैमिली में रहता है। उन्होंने मेरे पूरे परिवार को अपनाया, मेरी मां, पापा, भाई और भाभी को भी।”

इसके बाद रोहित ने अपने पिता और दीपिका के बीच के रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने कहा, “जिस तरह हम स्पेशल चाइल्ड की बात करते हैं, वैसे ही मेरे पापा भी हैं। उन्हें अपनाना, उनसे बात करना और उनका ख्याल रखना, यह सब सिर्फ दीपिका करती हैं।”

## दूसरे सीजन के साथ लौट रहा परिणीति चोपड़ा का शो ‘मॉम टॉक्स’, नवंबर में स्ट्रीमिंग

विश्व केसरी ■

**मुंबई।** अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा शो ‘मॉम टॉक्स: मां की बात मां के जज्बात’ के दूसरे सीजन के साथ वापसी करने जा रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि उनके शो का मकसद पेरेंटिंग से जुड़ी ईमानदारी और बेबाक बातचीत को सामने लाना है।

अभिनेत्री ने अपने शो के बारे में बात करते हुए कहा, “यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि मेरा ‘मॉम टॉक्स: मां की बात मां के जज्बात’ दूसरे सीजन के साथ वापसी कर रहा है। इस शो की खासियत है कि यह पेरेंटिंग को लेकर ईमानदारी, बेबाक बातचीत को सामने लाता है, जो मंदरहुड के नजरिए को पेश करती है।

त्रिनेत्र एआई के को-फाउंडर और चीफ बिजनेस ऑफिसर अजीम ललानी ने शो की वापसी को लेकर कहा, “पहले सीजन ने दिखाया गया था कि पेरेंटिंग पर बना कंटेंट दर्शकों और ब्रांड पार्टनर्स दोनों के लिए कितना अहम हो



सकता है। सीजन 2 हमें इन पार्टनरशिप्स को अधिक मजबूत करने और शो की बढ़ती पॉपुलैरिटी को आगे ले जाने का मौका देता है।”

सीजन 2 के अप्रोच के बारे में बात करते हुए बुलेट माइक्रोड्रामा के हेड ऑफ एबीओडी एंड पार्टनरशिप्स मुनाफ मल्ले ने कहा, “सीजन 2 के साथ हम

चाहते हैं कि ‘मॉम टॉक्स’ पेरेंटिंग से जुड़ी बातचीत को और आसान और इंटरैक्टिव बनाए, जिसमें खुली, मजेदार बातों के साथ यंग पेरेंट्स के लिए प्रैक्टिकल जानकारी भी हो। जब सेलिब्रिटी पेरेंट्स अपने खुद के अनुभव शेयर करते हैं और साथ में एक्सपर्ट्स की राय भी मिलती है, तो हम पर्सनल और जानकारी से भरपूर दोनों तरह की बातों को सामने ला पाते हैं।”

‘मॉम टॉक्स: मां की बात मां के जज्बात’ के दूसरे सीजन की शूटिंग शुरू हो गई है, जिसमें परिणीति चोपड़ा होस्ट के तौर पर वापसी कर रही हैं। पेरेंटिंग पर आधारित यह टॉक शो नवंबर में बुलेट माइक्रोड्रामा ऐप और जी5 पर स्ट्रीम होगा। पहले सीजन में राघव चड्ढा, इमरान खान, नेहा धूपिया, विक्रान्त मैसी और शीतल ठाकुर जैसी जानी-मानी हस्तियों के साथ खुलकर बातचीत हुई थी, जिसमें पर्सनल कहानियाँ और एक्सपर्ट डिस्कशन के जरिए पेरेंटहुड की असलियत को दिखाया गया था।

## फिल्म ‘ओम’ में साई पल्लवी के किरदार का खुलासा, निभा रहीं नित्या रेड्डी का किरदार

विश्व केसरी ■

**मुंबई।** निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म ‘ओम’ सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में तमिल स्टार धनुष और मलयालम सुपरस्टार ममूटी लीड रोल में नजर आएंगे। इसी बीच मेकर्स ने फैसला का इंतजार खत्म करते हुए अभिनेत्री साई पल्लवी के किरदार का खुलासा कर दिया है।

हालांकि एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक सोमवार शाम को रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने पहले ही बता दिया है कि वह फिल्म में एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगी।

फिल्म को प्रोड्यूस कर रही प्रोडक्शन कंपनी वंडरबार फिल्म्स ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डायरेक्टर राजकुमार पेरियासामी से मजाकिया अंदाज में पूछा, “सर, सब लोग पूछ रहे हैं कि साई पल्लवी की झलक कब आएगी, बता दें क्या सर,



राजकुमार केपी ?”

इस ट्वीट का जवाब देते हुए डायरेक्टर राजकुमार पेरियासामी ने कहा, “बेझिझक बता सकते हैं। आज, 26 अक्टूबर को शाम 6 बजे। फिल्म में अभिनेत्री साई

पल्लवी नित्या रेड्डी का किरदार निभाएंगी।’ बॉलीवुड स्टार नसीरुद्दीन शाह भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टाइटल के साथ ‘चेटर 1’ की टैगलाइन है, जिससे संकेत मिलता है कि इसका सीक्वल भी आ सकता है।

कुछ समय पहले मेकर्स द्वारा रिलीज किए गए टाइटल टीजर से पता चला था कि कहानी लाल चंदन काटकर जीवन यापन करने वालों के इर्द-गिर्द घूमती है। धनुष खुद फिल्म में एक लकड़हारे की भूमिका में हैं। टीजर में दिखाया गया था कि पुलिसकर्मी अवैध रूप से लाल चंदन काट रहे लकड़हारों को पकड़ रहे हैं। जैसे ही वे बंदूक की नोक पर मजदूरों को बंधक बनाते हैं, धनुष उन्हें बचाने के लिए आता हुआ दिखाई देता है। फिल्म इस साल 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बता दें कि मेकर्स ने पहले फिल्म को 16 अक्टूबर को रिलीज करने का प्लान बनाया था।

## अदनान सामी ने फैमिली फ्रेंड्स के साथ किया डे आउट एन्जॉय, पत्नी की होममेड ब्रेड की तारीफ



विश्व केसरी ■

**मुंबई।** गायक-कंपोजर अदनान सामी अपने काम के साथ-साथ परिवार को भी भरपूर समय देते हैं। सोमवार को गायक ने परिवार के साथ बिताए गए खूबसूरत पल की शानदार झलक शेयर की।

अदनान सामी ने इंस्टाग्राम पर संडे ब्रंच की झलक शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि इस ब्रंच के दौरान स्वादिष्ट खाने और बातचीत के बीच वक्त बिताया। साथ ही उन्होंने अपनी पत्नी रोया सामी खान की तारीफ की, जिन्होंने घर पर प्यार से अलग-अलग तरह की ब्रेड बनाई थीं। उन्होंने लिखा, “सबसे खूबसूरत एहसास है कि रविवार की सुबह की शुरुआत परिवार जैसे दोस्तों के साथ की जाए और ब्रंच पर साथ में ब्रेड तोड़ी जाए, स्वादिष्ट खाने और प्यारी बातचीत के साथ। सारी

अलग-अलग ब्रेड घर पर प्यार से मेरी प्यारी पत्नी रोया सामी खान जान ने ताजा बनाई थीं।”

गायक और संगीतकार अदनान सामी ने अपने जीवन में कुल चार शादियां की हैं। रोया उनकी तीसरी पत्नी हैं, जो कि अफगान-जर्मन मूल की हैं और एक रियायर्ड आर्मी/डिलोमैट अफसर की बेटी हैं।

अदनान सामी हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम सहित कई भाषाओं में भारतीय और पश्चिमी संगीत गाते हैं। उन्हें दुनिया के सबसे तेज कीबोर्ड वादकों और पियानो पर भारतीय शास्त्रीय संगीत बजाने वाले पहले संगीतकार के तौर पर जाना जाता है। गायक को 32 अलग-अलग वाद्ययंत्र बजाने में महारत हासिल है, जिनमें पियानो

उनका सबसे प्रमुख वाद्ययंत्र है। उन्हें पियानो पर भारतीय शास्त्रीय संगीत बजाने वाले शुरुआती संगीतकारों में गिना जाता है।

उन्होंने बहुत कम उम्र से संगीत सीखना शुरू किया और पियानो वादन में विशेष महारत हासिल की। उन्हें पियानो पर संतूर और भारतीय शास्त्रीय संगीत बजाने वाले शुरुआती कलाकारों में गिना जाता है। लंबे समय तक पाकिस्तान और अन्य देशों से जुड़े रहने के बाद, उन्होंने भारत में बसने का फैसला किया और 1 जनवरी 2016 को उन्हें आधिकारिक तौर पर भारत की नागरिकता प्रदान की गई। संगीत के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा 26 जनवरी 2020 को उन्हें भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया था।



# भारत-नीदरलैंड्स आर्थिक रिश्तों को नई मजबूती, व्यापार और निवेश बढ़ाने पर जोर: पीयूष गोयल

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नीदरलैंड्स के साथ व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को और मजबूत बनाने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई है। अपनी नीदरलैंड्स यात्रा के दौरान उन्होंने समुद्री परिवहन, लॉजिस्टिक्स, स्प्लाई चैन और भारतीय समुदाय से जुड़े कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया तथा दोनों देशों के बीच नई आर्थिक संभावनाओं पर चर्चा की।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अपनी यात्रा के दौरान गोयल ने यूरोप के सबसे बड़े बंदरगाह पोर्ट ऑफ रॉटरडैम का दौरा किया, जहां उनके साथ बंदरगाह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीओ) बोडेवाइन सीमोंस भी मौजूद थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रॉटरडैम यूरोपीय बाजारों तक भारतीय उत्पादों की पहुंच का एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है और वैश्विक व्यापार तथा आपूर्ति शृंखलाओं में इसकी रणनीतिक भूमिका बेहद अहम है।



गोयल ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच पोर्ट-आधारित विकास, लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार, स्प्लाई चैन कनेक्टिविटी को मजबूत करने और व्यापार एवं निवेश के नए अवसरों को बढ़ावा देने पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। उन्होंने कहा कि भारत अपने बंदरगाहों के आधुनिकीकरण और विश्वस्तरीय समुद्री अवसंरचना के विकास

पर तेजी से काम कर रहा है तथा इस क्षेत्र में नीदरलैंड्स की विशेषज्ञता भारत के लिए काफी उपयोगी हो सकती है।

उन्होंने कहा कि भारत और नीदरलैंड्स के बीच समुद्री क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं, विशेष रूप से ऐसे समय में जब भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बातचीत

अंतिम चरण में पहुंच रही है। भारत-ईयू एफटीए लागू होने के बाद भारतीय निर्यातकों के लिए यूरोपीय बाजारों में बड़े अवसर पैदा होंगे। ऐसे में नीदरलैंड्स के अत्याधुनिक बंदरगाह, मजबूत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और यूरोप के विभिन्न बाजारों से उसकी उत्कृष्ट कनेक्टिविटी भारत-यूरोप व्यापार को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बयान में आगे कहा गया है कि अपने दौरे के दौरान गोयल ने एम्स्टर्डम स्थित वाल्डोर्फ एस्टोरिया में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया, जिसमें लगभग 70 भारतीय मूल के कारोबारी, पेशेवर और सामुदायिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

गोयल ने भारतीय समुदाय की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि प्रवासी भारतीय, भारत और नीदरलैंड्स के बीच आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

## ब्राजील का राष्ट्रपति चुनाव: दूसरे दौर में लूला ने हासिल की जीत

विश्व केसरी■

**ब्रासीलिया।** ब्राजील के सुपीरियर इलेक्टोरल कोर्ट की ओर से जारी किए गए नतीजों के अनुसार, सत्ताधारी वर्कर्स पार्टी के उम्मीदवार और ब्राजील के मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे दौर (रनऑफ) में जीत हासिल की है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 99.89 प्रतिशत वोटों की गिनती पूरी होने पर, लूला को कुल वैध वोटों का 51.78 प्रतिशत हिस्सा मिला। वहीं, लिबरल पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे, फ्लेवियो बोल्सोनारो को 48.23 प्रतिशत वोट मिले। पहले दौर में लूला पिछड़ गए थे, लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की।

लूला 5 जनवरी 2027 को चार



साल के कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। यह चौथी बार होगा जब वे ब्राजील के राष्ट्रपति बनेंगे।

वे पहले दौर में पीछे रह गए थे। उनकी इस जीत ने लैटिन अमेरिका में उस दक्षिणपंथी झुकाव को रोक दिया है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन हासिल था। लूला 2027 से 2030 तक शासन करेंगे। उनके सामने एक ऐसी कांग्रेस (संसद) होगी, जिसमें बोल्सोनारो की लिबरल पार्टी के पास दशकों में सबसे ज्यादा सीटें

हैं। रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर लूला ने लिखा: ‘एक बार फिर, ब्राजील की जनता ने मुझे दिखाया कि जब हम साथ मिलकर चलते हैं, तो कोई भी सपना बहुत बड़ा नहीं होता। हमने इन दिनों खूब मेहनत की। हर कदम, हर काम और हर मार्च, केवल चुनाव प्रचार के पल नहीं थे। ये सपनों के साक्षात होने का प्रमाण थे, जो ठोस उपलब्धियों में बदल गए—जैसे कि 6×1 कार्यदिवस (सप्ताह में 6 दिन काम) का अंत। लोगों के आगे बड़े हाथ और उनकी मुस्कान ने मुझे याद दिलाया कि मैंने अपना जीवन इस देश के मजदूरों की लड़ाई के लिए क्यों समर्पित किया है।’

उन्होंने आगे कहा, ‘हम इस सफर से और अधिक मजबूत, एकजुट और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के लिए तैयार होकर निकले हैं।’

## लिकटेंस्टीन प्रिंस एलोइस राजकीय दौरे पर पहुंचे मुंबई

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** लिकटेंस्टीन के कार्यवाहक राष्ट्राध्यक्ष और वंशानुगत राजकुमार एलोइस ने भारत दौरे की शुरुआत मुंबई से की है। हवाई अड्डे पर उनका स्वागत महाराष्ट्र सरकार के प्रोटोकॉल मंत्री जयकुमार रावल ने किया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तस्वीर पोस्ट करते हुए पहुंचे और 28 लिकटेंस्टीन के हेरेडिटी प्रिंस एलोइस का स्वागत है। वो भारत की राजकीय यात्रा पर मुंबई पहुंचे। महाराष्ट्र सरकार के प्रोटोकॉल मंत्री, जयकुमार रावल ने उनका स्वागत किया।

विदेश मंत्रालय ने रविवार को ही इस यात्रा का अपडेट शेयर किया था। बताया था कि प्रिंस देर रात भारत पहुंचेंगे और 28 अक्टूबर तक यहीं रहेंगे। उनकी पत्नी प्रिंसेस सोफी, लिकटेंस्टीन की उप प्रधानमंत्री सबीने मोनाउनी और वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी आया है। प्रधानमंत्री मोदी और प्रिंस एलोइस की



द्विपक्षीय बैठक मंगलवार को नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में होगी। दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रम पर भी विचार साझा करेंगे।

प्रिंस एलोइस राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति उनके सम्मान में आधिकारिक भोज की मेजबानी करेंगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी उनसे मुलाकात करेंगे। यात्रा के दौरान उच्चस्तरीय संपर्क के साथ कारोबारी प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

भारत और लिकटेंस्टीन ने 1993 में राजनयिक संबंध स्थापित किए थे।

## होर्मुज से 1.5 अरब बैरल तेल के निर्यात में मदद का अमेरिकी दावा

विश्व केसरी■

**वाशिंगटन।** अमेरिका की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) प्रमुख एडमिरल ब्रैंड कूपर ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने पिछले छह महीनों में खाड़ी देशों को होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते 1.5 अरब बैरल से अधिक कच्चे तेल के निर्यात में मदद की है।

सेंटकॉम के मुताबिक, कूपर ने रविवार को अमेरिकी सेना के सीएच-47 चिनुक हेलीकॉप्टर से होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर उड़ान भरकर वहां के परिचालन हालात का जायजा लिया। कमांड ने कहा कि पिछले छह महीनों में उसके सहयोग से 3,000 से अधिक वाणिज्यिक जहाज इस समुद्री मार्ग से गुजर चुके हैं। अमेरिकी सेना का यह भी दावा है कि हाल के महीनों में स्ट्रेट से गुजरने वाले 95 प्रतिशत से अधिक जहाज सुरक्षित रहे हैं। कूपर ने कहा कि अमेरिका खाड़ी क्षेत्र के अपने साझेदारों और नौवहन उद्योग के साथ मिलकर समुद्री यातायात को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि



यह दौरा होर्मुज के रास्ते निर्बाध नौवहन सुनिश्चित करने के अमेरिकी संकल्प को दर्शाता है।

सेंटकॉम के अनुसार, अमेरिकी सेना ने हाल के महीनों में होर्मुज के अंतरराष्ट्रीय नौवहन मार्गों से समुद्री बारूदी सुरंगों को हटाने का अभियान चलाया। कूपर ने इस अभियान में शामिल अमेरिकी सैन्यकर्मियों से भी मुलाकात की। अमेरिकी कमांड का कहना है कि प्रमुख नौवहन मार्ग अब ईरान की ओर से बिछाई गई समुद्री सुरंगों से मुक्त हैं और वहां वाणिज्यिक जहाजों की

आवाजाही बनाए रखने पर ध्यान दिया जा रहा है।

होर्मुज विवाद फरवरी में अमेरिका-इजरायल के ईरान पर संयुक्त हवाई हमले के बाद और गहरा गया था। यूएस और ईरान इस मुद्दे को लेकर आतमे सामने हैं। संयुक्त हवाई हमले के बाद तेहरान ने इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की और स्ट्रेट पर अपना नियंत्रण जताया। ईरान ने जहाजों के गुजरने के लिए शुल्क या नौमति की मांग भी की।

## पढ़ाई से नौकरी तक का रास्ता आसान बनाने पर जोर, सीबीएसई का राष्ट्रीय सम्मेलन

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** हुनर को पढ़ाई जैसी अहमियत मिलेगी। इसके लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) स्कूलों की पढ़ाई को रोजगार से जोड़ने के विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि छात्र केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि स्कूल से निकलने के बाद उच्च शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और नौकरी की दुनिया में भी आसानी से आगे बढ़ सकें।

यह आयोजन सोमवार 26 अक्टूबर व 27 अक्टूबर को नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचे के जरिए छात्रों के कौशल को शिक्षा व्यवस्था के अलग-अलग स्तरों पर मान्यता देने पर भी जोर दिया जा रहा है। इसका मकसद है कि छात्रों की सीखने की प्रक्रिया केवल शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया। अंकों तक सीमित न रहे, बल्कि उनके व्यावहारिक ज्ञान



और हुनर को भी महत्व मिले। इसके साथ ही स्कूलों में कौशल आधारित शिक्षा को सामान्य पढ़ाई का हिस्सा बनाने के तरीकों पर चर्चा हो रही है। इससे छात्रों को पढ़ाई के दौरान ही कामकाज की दुनिया की जरूरतों को समझने और भविष्य के लिए जरूरी क्षमताएं विकसित करने का अवसर मिल सकेगा।

‘स्कूल से कामकाजी दुनिया तक की राह आसान बनाना’ विषय पर आयोजित इस चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन में स्कूलों के प्रमुख शिक्षक, उद्योग जगत के विशेषज्ञ और नीति निर्माता हिस्सा ले रहे हैं।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के विद्यालय संगठनों के सहयोग से यह आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में इस बात पर चर्चा हो रही है कि बदलती जरूरतों के हिसाब से छात्रों को कैसे तैयार किया जाए।

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव टी के अनिल कुमार और सीबीएसई के अध्यक्ष डॉ. मंदीप भंडारी भी सम्मेलन में मौजूद रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए टी के अनिल कुमार ने चार प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देने की बात कही।

## शान्ति गया साहित्य, कला एवं खेल संवर्द्धन समिति के वार्षिक सम्मान समारोह में साहित्यकार दिनेश माली सम्मानित

विश्व केसरी■

**भोपाल।** शान्ति-गया साहित्य, कला एवं खेल संवर्द्धन समिति के वार्षिक सम्मान समारोह में, साहित्य अकादमी सम्मान से सम्मानित गोविन्द मिश्र की अध्यक्षता एवं प्रसिद्ध कवि राजेश जोशी के मुख्य आतिथ्य में साहित्य, कला और खेल से जुड़ी 17 विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान किया गया। समारोह में मध्यप्रदेश



उच्च न्यायालय के भूतपूर्व न्यायाधीश अनिल वर्मा, मशहूर बाल साहित्यकार सुरेंद्र विक्रम (लखनऊ) एवं स्टार हॉकी खिलाड़ी अशोक ध्यानचंद विशेष अतिथि के रूप में मंच पर

उपस्थित थे। सम्मान समारोह का आयोजन दुष्यंत पांडुलिपि संग्रहालय के सभागार में किया गया। जयपुर के प्रबोध गोविल को शान्ति-गया स्मृति शिखर सम्मान तथा हॉकी खिलाड़ी

अशोक ध्यानचंद को शान्ति-गया लाइफटाइम स्पोर्ट्स अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। ओडिशा से पधारे साहित्यकार दिनेश माली को इस संस्था के शिखर सम्मान पुरस्कार श्रेणी के

अंतर्गत विशिष्ट पुरस्कार हरिशंकर श्रीवास्तव स्मृति साहित्य श्री सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, नोयडा से पधारे आचार्य राजेश कुमार को नैली राजेश सिंह स्मृति उपन्यास शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया।

अन्य सम्मानित साहित्यकारों में लघुकथा के लिए मनोरमा पंत (भोपाल) तथा बाल साहित्य के लिए डॉ मालती बसंत (भोपाल) एवं पद्मा चौगांवकर (गंज बासौदा), कला के लिए सुधीर कुमार पांड्या (भोपाल) को भी नैली राजेश सिंह स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। दीपक

गिरकर (इंदौर) एवं सुदर्शन सोनी (भोपाल) को ललितार्थ देवी स्मृति सम्मान, कर्नल डॉ गिरिजेश सक्सेना एवं डॉ वर्षा ढोबले (दोनों भोपाल) शकुंतला मिश्र स्मृति सम्मान, लाल देवेंद्र श्रीवास्तव (बस्ती) एवं जीनत एहसान कुरैशी (मुंबई) को शकुंतला उर्मलिया स्मृति सम्मान, अंतरराष्ट्रीय सेलिंग खिलाड़ी एवं द्रोणाचार्य सम्मान से सम्मानित सेलिंग कोच जी.एल. यादव को ज्ञानप्रकाश खरे स्मृति खेल रत्न सम्मान एवं खेल लेखक प्रधानमंत्री का यह ट्रैक रिकॉर्ड रहा है कि वे जो भी संकल्प लेते हैं, उसे सफलतापूर्वक पूरा करते हैं। प्रधानमंत्री

## ब्रह्माकुमारी संस्था के ‘नशा-मुक्त भारत’ अभियान को पूरा समर्थन देगी सरकार: नितिन नवीन

विश्व केसरी■

**सिरोही।** भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आबू रोड स्थित ब्रह्माकुमारी के शांतिवन में आयोजित ‘ग्लोबल समिट 2026’ में हिस्सा लिया। यह आयोजन संस्था की 90 वर्षों की आस्थात्मक और सेवा यात्रा के उपलक्ष्य में किया गया था।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने ब्रह्माकुमारी को संबोधित करते हुए कहा, ‘आपने जो ‘नशा-मुक्त भारत’ अभियान शुरू किया है, उसे हमारी सरकार पूरा समर्थन देगी। प्रधानमंत्री का यह ट्रैक रिकॉर्ड रहा है कि वे जो भी संकल्प लेते हैं, उसे सफलतापूर्वक पूरा करते हैं। प्रधानमंत्री



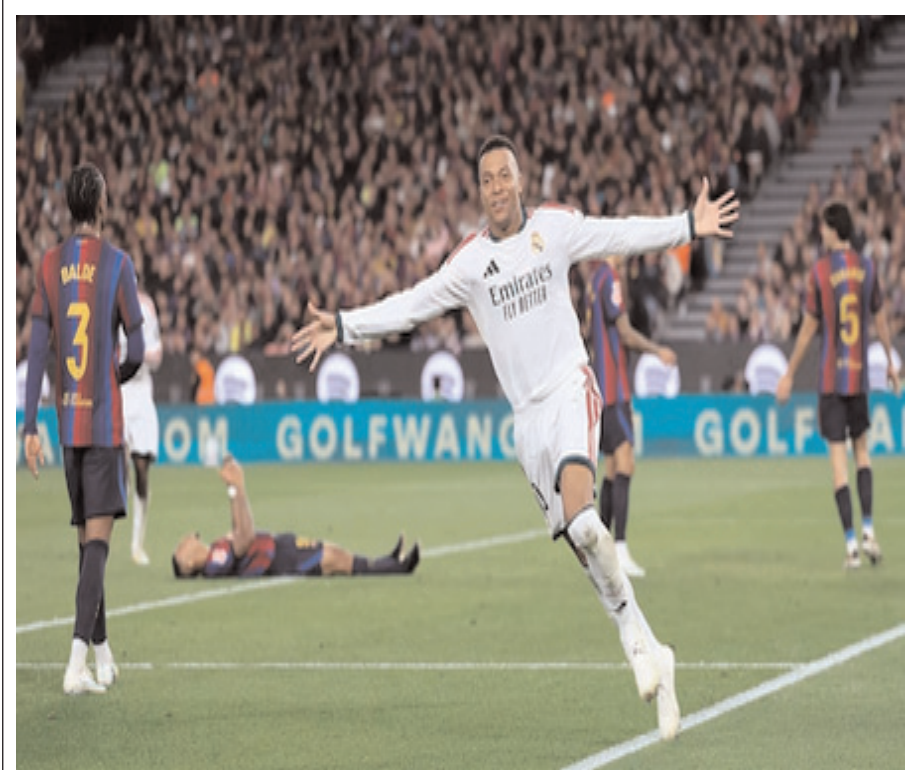
द्वारा शुरू किए गए नशा-विरोधी अभियान के संबंध में हमारे केंद्रीय गृह मंत्री ने भी संकल्प लिया है कि हम पूरी लगन और दृढ़ संकल्प के साथ 2029 तक भारत को नशा-मुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे। यदि हमारे युवाओं की ओर हमारे राष्ट्र को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ना है, तो यह बहुत जरूरी है

कि हम सब मिलकर इस नशा-विरोधी अभियान को सफल बनाएं। जो युवा खुद को नशे की लत से मुक्त करता है, वह न केवल अपनी जान बचाता है, बल्कि अपने परिवार की उम्मीदों और देश की ताकत की भी रक्षा करता है।’

नितिन नवीन ने कहा, ‘प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस देश को सेवा और समर्पण के भाव से नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। उनका मानना है कि अगर इस देश को आगे बढ़ाना है, तो 140 करोड़ देशवासियों को एक साथ, एक स्वप्न और एक भाव के साथ आगे चलना होगा। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी का निरंतर 25 वर्षों का कार्यकाल देश के प्रति समर्पित होकर कार्य किया।



# रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना को 2-1 से हराया



**विश्व केसरी ■**  
**बार्सिलोना।** ला लीगा के मुकाबले में रियल मैड्रिड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एफसी बार्सिलोना को 2-1 से शिकस्त दी। मैड्रिड के जीत के नायक किलियन एमबाप्पे रहे, जिन्होंने इस मुकाबले में 2 गोल दागते हुए क्लब की ओर से अपने 100 गोल भी पूरे किए।

मैच की शुरुआत जूड बेलिंगहम के शानदार खेल से

हुई। उन्होंने बेहतरीन तरीके से गेंद को घुमाते हुए अर्दा गुलेर को पास दिया, जिन्होंने आगे एडुआर्डो कामाविंगा के लिए मौका बनाया। इसके बाद गार्सिया के सामने आ गए, लेकिन उनका शॉट गोल पोस्ट के किनारे (साइड नेटिंग) पर जाकर लगा।

दूसरे हाफ में भी मैच का रुख ज्यादा नहीं बदला। रियल मैड्रिड ने मजबूत डिफेंस किया और तेज जवाबी हमलों से बार्सिलोना की टीम को लगातार परेशानी में डाले रखा। 56वें मिनट में जोआओ कैसिलो ने यान डायोमांडे की जांच के पीछे जोरदार टक्कर मारी। इसके बाद मैड्रिड के खिलाड़ियों ने कैसिलो को रेड कार्ड दिखाने की मांग की। चोट लगने की वजह से डायोमांडे को करीब एक मिनट के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। पांच मिनट बाद राफिन्हा ने गोल करके स्कोर

मौक नहीं दिए और उसके हमलों को अच्छी तरह रोके रखा। मैड्रिड के 1-0 की बढ़त लेने से पहले अर्दा गुलेर को भी दो अच्छे मौके मिले थे। मैच के सिर्फ चार मिनट बाद उनका पहला शॉट गोल पोस्ट से कुछ सेंटीमीटर दूर निकल गया।

14 मिनट बाद उन्हें दूसरा मौका मिला, जिसे जोन गार्सिया ने बचा लिया। 41वें मिनट में मैड्रिड की टीम ने

बराबर कर दिया। हालांकि, इसके ठीक दो मिनट बाद, अर्दा गुलेर ने एक मुश्किल एंगल से जोरदार शॉट मारा, जिसे जोन गार्सिया ने बड़ी मुश्किल से बचाया। कुछ ही पलों बाद, एक और शानदार बचाव देखने को मिला, जब 66वें मिनट में लुनिन ने कॉर्नर से आए जेरार्ड मार्टिन के हेडर को बेहतरीन तरीके से रोक दिया।

जैसे-जैसे मैच खत्म होने की ओर बढ़ा, 88वें मिनट में जोस मोरिन्हो की टीम ने एक शानदार मूव के जरिए ‘एल क्लासिको’ अपने नाम कर लिया। इसकी शुरुआत जूड बेलिंगहम के बेहतरीन रूलेट मूव से हुई। उन्होंने गेंद अर्दा गुलेर को दी, जिन्होंने आगे एडुआर्डो कामाविंगा के लिए मौका बनाया। कामाविंगा ने पाठ कुबार्सी को चकमा देते हुए गेंद किलियन एमबाप्पे तक पहुंचाई।

एमबाप्पे ने बिना गलती किए गेंद को गोल में डाल दिया और रियल मैड्रिड के लिए अपने 100 गोल पूरे कर लिए। इस गोल के बाद मैच के अंतिम क्षणों तक मैड्रिड ने अपनी बढ़त बनाए रखी। आखिरकार टीम ने कैंप नोउ में 2-1 की जीत दर्ज करते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए।

## जो टीम को जीतने और सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने में मदद करे, उसके लिए तैयार: मेग लेनिंग

**विश्व केसरी ■**  
**नई दिल्ली।** ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लेनिंग विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 12 में मेलबर्न स्टार्स की कप्तानी संभालेंगी। एनाबेल सदरलैंड के दो साल तक कप्तान रहने के बाद पद छोड़ने के बाद लेनिंग के हाथों में टीम की कप्तान दी गई है।

लेनिंग जिन्होंने आखिरी बार 2023 में इस फ्रेंचाइजी की कप्तानी की थी अब नए कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर स्टार्स के प्रदर्शन को बेहतर बनाने का काम करेंगी।

लेनिंग सदरलैंड की एक लीडरशिप ग्रुप में एक अहम भूमिका निभाती रहेंगी। लेनिंग ने बताया कि यह फैसला टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकलवाने के लिए हुई चर्चाओं के बाद लिया गया है। इसमें एक अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर के तौर पर एनाबेल सदरलैंड के वर्कलोड (काम के बोझ) को भी ध्यान में रखा गया है।

‘क्रिकेट डॉट कॉम एयू’ के साथ बात करते हुए लेनिंग ने कहा, ‘कुछ साल पहले जब मैंने कप्तानी छोड़ी थी और एनाबेल ने जिम्मेदारी संभाली थी, तब मैंने दोबारा कप्तान बनने के बारे में नहीं सोचा था। हालांकि, इस साल जब हमने इस पर चर्चा की कि टीम के हर खिलाड़ी से कैसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाया जा सकता है, तो यह तय हुआ कि मुझे फिर से यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मुझे ऐसा करने में खुशी है - जो भी चीज टीम को जीतने और अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने में मदद करे, मैं उसके लिए तैयार हूँ।’

लेनिंग ने आगे कहा, ‘एनाबेल लीडरशिप ग्रुप में एक बहुत बड़ी भूमिका निभाती रहेंगी। उम्मीद है कि इससे उन्हें थोड़ा फ्री महसूस होगा, जिससे वह मैदान पर जाकर अपना बेहतरीन खेल दिखा सकेंगी।’ पांच बार की विश्व कप विजेता लेनिंग, नए कोच रिचर्ड पायराह के साथ काम करेंगी। पायराह यॉर्कशायर के साथ काम करने के बाद अगले दो सीजन के लिए स्टार्स से जुड़े हैं।

लेनिंग का मानना है कि उनके आने से टीम को एक स्पष्ट दिशा मिली है।

## न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 नहीं खेल पाएंगे ईशान किशन

**विश्व केसरी ■**  
**नई दिल्ली।** न्यूजीलैंड के खिलाफ मंगलवार (27 अक्टूबर) को होने वाले तीसरे टी20 मुकाबले से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। इंजरी के चलते दूसरा टी20 मिस करने के बाद ईशान किशन तीसरे टी20 में भी नहीं खेल पाएंगे।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ईशान किशन के तीसरे टी20 से बाहर होने की जानकारी दी है। बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘ईशान किशन अपनी दाहिनी जांच की हल्की चोट (लो-ग्रेड एडक्टर स्ट्रेन) से अच्छी तरह उबर रहे हैं। उन्हें यह चोट न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के पहले टी20 इंटरनेशनल मैच के दौरान लगी थी। वह अभी तक मैच खेलने के लिए पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं, इसलिए 27 अक्टूबर 2026 को वेलिंगटन में होने वाले तीसरे टी20 से बाहर होने की

बाते तीसरे टी20 मैच से वह बाहर रहेंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ईशान की रिकवरी पर नजर रख रही है। कुमार कुशाग्र तीसरे टी20 मैच के लिए भी टीम के साथ बने रहेंगे।

गौरतलब है कि ईशान किशन की जगह दूसरे टी20 में वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। वैभव को नंबर तीन पर बल्लेबाजी के लिए उतारा गया था, लेकिन उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। वैभव 8 रनों का सामना करने के बाद सिर्फ 4 रन नाबाद आउट हो गए थे। हालांकि, ईशान की गैरमौजूदगी में 15 वर्षीय वैभव को ही तीसरे टी20 में भी प्लेइंग इलेवन में मौका मिल सकता है।

दूसरे टी20 में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा था। न्यूजीलैंड से मिले 181 रनों के लक्ष्य को टीम इंडिया ने 6 विकेट खोकर एक गेंद शेष रहते हुए 1



## दिव्येंदु बरुआ: भारत के दूसरे ग्रैंडमास्टर, जिन्होंने शतरंज में देश को दिलाई नई पहचान

**विश्व केसरी ■**  
**नई दिल्ली।** भारत में शतरंज को लोकप्रिय बनाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों में दिव्येंदु बरुआ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है, जिन्होंने उस दौर में शतरंज में अपनी पहचान बनाई, जब भारत में इस खेल के लिए सुविधाएं और संसाधन सीमित थे।

अपनी मेहनत, लगन और शानदार खेल के दम पर उन्होंने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। साल 1991 में ग्रैंडमास्टर बनने के साथ ही वह विश्वनाथन आनंद के बाद भारत के दूसरे ग्रैंडमास्टर बने।

उनकी इस उपलब्धि ने देश के कई युवाओं को शतरंज में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया।

दिव्येंदु बरुआ का जन्म 27 अक्टूबर 1966 को कोलकाता में हुआ था। उन्हें बचपन से ही शतरंज खेलने का शौक था। धीरे-धीरे यह शौक उनके जीवन का अहम हिस्सा बन गया और उन्होंने इस खेल में आगे बढ़ने का फैसला किया।

अमेरिकी शतरंज खिलाड़ी बॉबी फिशर से प्रेरित बरुआ ने कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा दिखानी शुरू कर दी थी। वह खेल को समझने और अपनी चालों से विरोधियों को चुनौती देने में माहिर थे।

# एशियन चैंपियंस ट्रॉफी: मिडफील्डर मनप्रीत पूरे टूर्नामेंट से बाहर; विवेक सागर को मिली जगह

**विश्व केसरी ■**  
**जालंधर।** एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 से ठीक पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम को झटका लगा है। अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ट्रेनिंग के दौरान पिंडली में चोट लगने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनके स्थान पर विवेक सागर प्रसाद को टीम में शामिल किया गया है।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 की शुरुआत मंगलवार से होगी, जिसमें भारत अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रहा है। खिताब के लिए भारत के अलावा मलेशिया, जापान, चीन, साउथ कोरिया और बांग्लादेश की टीमों भी हिस्सा लेंगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बताया, ‘ट्रेनिंग सेशन के दौरान पिंडली में चोट लगने की वजह से मनप्रीत सिंह ‘हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब 2026’ से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह भारतीय टीम में विवेक सागर



प्रसाद को शामिल किया गया है। ‘यह चोट ऐसे समय पर लगी है जब मनप्रीत अपने घरेलू मैदान पर खेलने का इंतजार कर रहे थे। इसी

मैदान पर उन्होंने किशोरावस्था में हॉकी खेलना सीखा था। साल 2011 में भारतीय सीनियर टीम के लिए डेब्यू करने के बाद से मनप्रीत

430 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने भारत के लिए दो ओलंपिक पदक और तीन एशियन गेम्स स्वर्ण पदक जीते हैं। हालांकि,

इतनी बड़ी उपलब्धियों के बावजूद उन्हें अब तक अपने गृह राज्य पंजाब में प्रशंसकों के सामने खेलने का मौका नहीं मिला है।

भारत अपना पहला लीग मैच 27 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद भारत का मुकाबला चीन (29 अक्टूबर), जापान (30 अक्टूबर), मलेशिया (1 नवंबर) और साउथ कोरिया (2 नवंबर) से होगा।

जालंधर में 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक चलने वाले लीग चरण के बाद, टूर्नामेंट मोहाली के ‘ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम’ में शिफ्ट हो जाएगा। यहां 4 और 5 नवंबर को सेमीफाइनल और मेडल के लिए मुकाबले खेले जाएंगे।

टूर्नामेंट के इस नौवें संस्करण में हिस्सा लेने वाली टीमों में से, भारत (जिसने रिकॉर्ड पांच बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीती है) के अलावा केवल साउथ कोरिया ने यह ट्रॉफी अपने नाम की है।

## हमें बेहतर होने की जरूरत है, खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप से पहले अनुभव देना होगा: ब्रेंडन मैकुलम

**विश्व केसरी ■**  
**लाहौर।** इंग्लैंड के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने पाकिस्तान की धरती पर खेली जा रही ट्राई-सीरीज में टीम की लगातार हार के बाद कहा कि खिलाड़ियों को दबाव के समय बेहतर फैसले लेने की जरूरत है। उन्होंने माना कि टीम में अनुभव की कमी अभी भी चिंता का विषय है, खासकर तब, जब अगले साल साउथ अफ्रीका में होने वाला वनडे वर्ल्ड कप धीरे-धीरे करीब आ रहा है।

इंग्लैंड को सबसे ताजा झटका लाहौर में पाकिस्तान के खिलाफ लगा, जहां वे मेजबान टीम के 9 विकेट पर 154 रन बनाने के बावजूद 241 रन का बचाव नहीं कर सकी। शादाब खान के नाबाद 113 रन और हारिस रऊफ के साथ की गई 10वें विकेट के लिए अटूट 89 रनों की इसका मतलब है कि उस दिन आप जीतने के लिए पर्याप्त अच्छे नहीं थे। ऐसे में आपको अपनी कमियों पर काम करना पड़ता है। ये दोनों मैच अलग तरह के हैं। एक कोच के तौर पर मुझे लगता है कि खिलाड़ियों



विचार करते हुए मैकुलम ने माना कि इंग्लैंड तब पीछे रह गया जब सबसे ज्यादा जरूरत थी और उसे मुखियल स्थितियों से निपटने के बेहतर तरीके खोजने की आवश्यकता है।

पत्रकारों से बातचीत में मैकुलम ने कहा, ‘जब आप हारते हैं तो इसका मतलब है कि उस दिन आप जीतने के लिए पर्याप्त अच्छे नहीं थे। ऐसे में आपको अपनी कमियों पर काम करना पड़ता है। ये दोनों मैच अलग तरह के हैं। एक कोच के तौर पर मुझे लगता है कि खिलाड़ियों

को ऐसे मुकाबले खेलने का मौका मिला, जहां दबाव अपने चरम पर था।’

उन्होंने आगे कहा, ‘ऐसे मौकों पर हमें यह सोचना होगा कि खिलाड़ियों को बेहतर विकल्प कैसे दिए जाएं। बात सिर्फ बल्लेबाजी, गेंदबाजी या फील्डिंग की नहीं है, बल्कि यह भी है कि दबाव में शांत कैसे रहा जाए, संतुलन कैसे बनाए रखा जाए और सही योजनाओं के साथ उन मुखियल परिस्थितियों से कैसे निपटा जाए।’



# ‘जल संचय जन भागीदारी’ अभियान से 1.55 करोड़ से अधिक जल संरचनाओं का निर्माण

## भू-जल रिचार्ज को मिली बड़ी मजबूती



**विश्व केसरी ■**  
नई दिल्ली। देश में जल संरक्षण और भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे ‘जल संचय जन भागीदारी’ (जेएसजेबी) अभियान के तहत अब तक 1.55 करोड़ से अधिक कृत्रिम जल रिचार्ज और जल भंडारण

संरचनाओं का निर्माण किया जा चुका है। सोमवार को जारी एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, जून से दिसंबर 2025 के बीच वर्षा संबंधी आंकड़ों के आधार पर मूल्यांकन किए गए 23 लाख जल संरचनाओं से लगभग 2.43 अरब घन मीटर भू-जल पुनर्भरण

(ग्राउंडवॉटर रिचार्ज) का अनुमान लगाया गया है। सरकार के अनुसार, सामुदायिक भागीदारी, संसाधनों के समन्वित उपयोग, डिजिटल निगरानी और जल संरचनाओं के निर्माण को एक साथ जोड़कर यह पहल जल सुरक्षा की दिशा में देश

के लिए मजबूत आधार तैयार कर रही है। ‘जल संचय जन भागीदारी’ को जल शक्ति अभियान: कैच द रेन कार्यक्रम के साथ एकीकृत किया गया है, जिसका उद्देश्य वर्षा जल संचयन, भू-जल रिचार्ज, जल संरक्षण, जल परिसंपत्तियों का निर्माण और जनसहभागिता को बढ़ावा देना है। अभियान के तहत स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप कम लागत वाले उपायों को प्रोत्साहित किया गया है, जिससे टिकाऊ जल प्रबंधन के जरिए जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता भी मजबूत हुई है। इस पहल में पंचायत राज संस्थाएं, शहरी स्थानीय निकाय, महिला समूह, युवा संगठन, शैक्षणिक संस्थान, नागरिक समाज संगठन और स्थानीय समुदाय सक्रिय रूप से शामिल हुए हैं। ये सभी जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं के निर्माण, क्रियान्वयन और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने में योगदान दे रहे हैं। सरकार ने बताया कि जेएसजेबी: कैच द रेन पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन ने अभियान की पारदर्शिता बढ़ाने, निगरानी को मजबूत करने और आम लोगों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाई है। यह अभियान वर्ष 2019 में शुरू किए गए जल शक्ति अभियान की सफलता पर आधारित है, जिसके तहत देश के 256 जिलों के 1,592 जल-संकटग्रस्त ब्लॉकों में वर्षा जल संचयन, भू-जल पुनर्भरण, जलग्रहण क्षेत्र विकास, जल निकायों के पुनर्जीवन, वनीकरण और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया गया था। फैक्टशीट में आगे कहा गया है कि जल संरक्षण अब केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं रह गया है, बल्कि यह समुदाय आधारित जन आंदोलन का स्वरूप ले चुका है। ‘कैच द रेन’ और ‘जल संचय जन भागीदारी’ जैसी पहलें वर्षा जल संचयन, भू-जल पुनर्भरण और पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन को प्रोत्साहित कर रही हैं। सरकार का कहना है कि वैज्ञानिक योजना, स्थानीय स्वामित्व और विभिन्न संसाधनों के प्रभावी समन्वय के माध्यम से जल सुरक्षा मजबूत हो रही है। इसके साथ ही ग्रामीण आजीविका को समर्थन मिल रहा है और जलवायु संबंधी चुनौतियों का सामना करने की क्षमता भी बढ़ रही है।

## क्या आप भी योग करते समय शरीर पर डालते हैं जरूरत से ज्यादा जोर? आयुष मंत्रालय ने दी चेतावनी



**विश्व केसरी ■**  
नई दिल्ली। योग को स्वस्थ जीवनशैली का अहम हिस्सा माना जाता है। यह न केवल शरीर को लचीला और मजबूत बनाता है, बल्कि मानसिक शांति और एकाग्रता बढ़ाने में भी मदद करता है। हालांकि, योग का पूरा लाभ तभी मिलता है जब इसे सही तकनीक और अपनी शारीरिक क्षमता के अनुरूप किया जाए। कई बार लोग जल्दी परिणाम पाने की कोशिश में कठिन आसनों का अभ्यास करने लगते हैं या शरीर पर आवश्यकता से अधिक दबाव डालते हैं, जिससे चोट लगने या स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने का खतरा बढ़ सकता है। योगाभ्यास के दौरान शरीर के

संकेतों को समझना और उसकी सीमाओं का सम्मान करना बेहद जरूरी है। इसी संदेश को रेखांकित करते हुए आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट साझा कर योग करते समय बरती जाने वाली जरूरी सावधानियों के बारे में जानकारी दी है। आयुष मंत्रालय ने अपनी पोस्ट में लिखा, ‘योग के अभ्यास के लिए जागरूकता, कंट्रोल और अपने शरीर की क्षमता का सम्मान करना जरूरी है। धीरे-धीरे अभ्यास करें, अपने मूवमेंट्स को सहज रखें और झटके, जोर या दबाव से बचें। अगर शरीर के किसी भी हिस्से में तेज दर्द हो, तो अभ्यास तुरंत बंद कर दें। हर मूवमेंट को जागरूकता के साथ करें और माइंडफुल प्रैक्टिस को अपने

योग रूटीन का जरूरी हिस्सा बनाएं। मंत्रालय के मुताबिक, योग करते समय कई लोग शुरुआत में ही मुश्किल आसन करने की कोशिश करते हैं। उन्हें लगता है कि जितना ज्यादा शरीर को खींचेंगे, उतना ही जल्दी लचीलापन बढ़ेगा। लेकिन हर व्यक्ति की शारीरिक क्षमता अलग होती है। किसी का शरीर आसानी से आगे झुक सकता है, तो किसी को इसमें समय लग सकता है। ऐसे में दूसरे लोगों को देखकर अपना शरीर पर दबाव डालना सही नहीं है। उदाहरण के लिए, अगर कोई व्यक्ति आगे झुकने वाला आसन कर रहा है और उसका शरीर ज्यादा नहीं झुक पा रहा, तो उसे जबरदस्ती हाथों से पैरों को छूने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

## मन को शांत और एकाग्र करना है? रोज करें त्राटक, दूर होगी अनिद्रा और तनाव की समस्या

**विश्व केसरी ■**  
नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां मानव मस्तिष्क हर पल सैकड़ों विचारों से घिरा रहता है, वहां मानसिक शांति और एकाग्रता पाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे में, ‘त्राटक’ एक ऐसी सूक्ष्म साधना है, जो भटकते हुए मन को रोककर उसे एक बिंदु पर केंद्रित करने में मदद करती है। यह हठयोग की एक प्राचीन और शक्तिशाली साधना है, जिसमें किसी एक निश्चित बिंदु, वस्तु, दीपक की लौ, मूर्ति या प्रतीक पर बिना पलक झपकाए लगातार टकटकी लगाकर देखा जाता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, त्राटक क्रिया एक महत्वपूर्ण योगिक अभ्यास है, जो मानसिक स्पष्टता और नेत्र स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी है।



त्राटक के नियमित अभ्यास से आंखों की रोशनी में सुधार होता है, नींद अच्छी आती है और मन शांत होने लगता है। त्राटक एक प्राचीन शुद्धिकरण क्रिया है, जिसे करने के लिए व्यक्ति को बिना पलक झपकाए किसी एक बिंदु, दीपक की लौ या वस्तु को

एकाग्रता से बैठकर देखना होता है। यह केवल आंखों का व्यायाम नहीं है, बल्कि यह मन को एकाग्र करने, मानसिक ऊर्जा को जागृत करने और आंतरिक शांति प्राप्त करने का एक अद्भुत मार्ग है। त्राटक अनिद्रा, तनाव और अनावश्यक विचारों की भीड़ को

कम करने में बहुत प्रभावी है। दरअसल, रात में सोते समय हमारे दिमाग में दिनभर की बातें लौटती हैं, जिस वजह से नींद की गुणवत्ता कम होती है। त्राटक करते समय दीये की लौ को एकटक देखने पर दिमाग धीरे-धीरे शांत होने लगता है। आंखों की नसों का सीधा संबंध मस्तिष्क से होता है। लौ को लगातार देखने से मेलाटोनिन हार्मोन सक्रिय होता है, जो गहरी नींद लाने में मदद करता है। रोज 10 मिनट त्राटक करने वाले लोगों को नींद की गोली की जरूरत कम पड़ने लगती है। चरमा लगाकर या रात के समय सूर्य त्राटक जैसी तीव्र क्रियाएं बिना किसी योग्य गुरु के मार्गदर्शन के न करें। आंखों में ज्यादा दर्शन या गंभीर समस्या होने पर अभ्यास तुरंत रोक दें।

## रात को नींद नहीं आती? रोज करें मकरासन, अनिद्रा और चिंता से मिलेगा छुटकारा

**विश्व केसरी ■**  
नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में योग बहुत जरूरी हो गया है। यह हमें तनाव से राहत देता है और सेहतमंद बनाता है। योग के कई आसनों में से एक आसन है मकरासन। ये सिर्फ एक आरामदायक मुद्रा नहीं, बल्कि तनाव, थकान और कमर दर्द से राहत पाने का एक बेहतरीन उपाय है। ‘मकरासन’ संस्कृत का शब्द है, जो ‘मकर’ और ‘आसन’ इन दो शब्दों से मिलकर बना है। यहां ‘मकर’ का अर्थ मगरमच्छ और ‘आसन’ का अर्थ मुद्रा से है। इस आसन को करने से पीठ और कमर का दर्द कम होता है और शरीर को आराम मिलता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, मकरासन करने से शरीर की मांसपेशियों को आराम मिलता है। खासतौर से यह पीठ, कमर और कंधों की जकड़न को दूर करता है। यह श्वसन प्रणाली के लिए भी लाभकारी माना जाता है।

**शादी से पहले या शादी के बाद निराश व्यक्ति अवश्य मिले**

**छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त**

**जब कहीं न हो फायदा तो एक बार जरूर मिले**

**छत्तीसगढ़ के नं.01 हेल्थसोलॉजिस्ट**

**DR. AKSAGAR-BUMS, CVD(MD)-REG. CGSOMBS**

**डॉ. सागर**

From Raipur

**धातू रोग** **शुक्राणु की कमी** **शिग्रपतन** **रजणदोष** **निःसंतान**

**मेन ब्रांच : सालेम स्कूल के सामने, मोतीबाग चौक रायपुर (छ.ग.)**

**BEST AYURVEDIC CHIKITSAK AWARD 2023**

**8109126351 9425257615**

**लव कुश सेल्स**

**रितेश गुप्ता**

**फर्नीचर एवं इलेक्ट्रानिक्स शॉप**

**सभी प्रकार के फर्नीचर, सोफा के निर्माता एवं विक्रेता**

**रिंग रोड नं.-2, रिलायंस पेट्रोल पंप के पास, गौदवारा, रायपुर (छ.ग.)**

**मो. : 9039896379**

**E-mail : lovkushenterprises61@gmail.com**

**Branch Office : रिंग रोड नं.-1, पुष्पा टोल प्लाजा, सुन्दर नगर, रायपुर (छ.ग.)**

**Network COMPUTERS**

**Wholesale & Retail Shop**

**कंप्यूटर से जुड़ी हर जरूरत का एक ही नाम...**

**LAPTOP** **DESKTOP** **PRINTER**

**CCTV CAMERA** **NETWORKING** **INTERACTIVE PANEL** **ACCESSORIES**

**GENUINE PRODUCTS** **EXPERT SERVICE SUPPORT** **BEST PRICES** **BUSINESS & BULK SUPPLY** **GOVT. ORDERS (Gst SUPPLY)**

**Shop No. FF-30 (1st Floor), Millennium Plaza, Banstall Road, Raipur (C.G.)**

**9329100386 07714095051**

**narad\_nishad@rediffmail.com**

**Luxury Look, Half Price!**

**मॉड्युलर किचन**

**मात्र 70 हजार से चालू**

**Modular Kitchen starts from 50,000/- to 2,50,000/-**

**MODULAR KITCHEN**

**Kuldeep Bhatia 9977115597, 831907666**

**C-4, S-1, Devendra Nagar, Near City Center Mall, Raipur**

**DR. PRAJWAL SONI**

M.B.B.S., M.D. Obstetrics & Gynaecologist colposcopist Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

**Mo. 9827189170 9200668168**

**Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home**

**Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.) 9111677722**

**Amapara, Pitaiband Road, Rajim, Garivaband (C.G.) 7509007388**

**drprajwalsoni@gmail.com**

*Discover the new meaning of pleasure*

**Noorjaha Prime**

**DINING ■ BUFFET ■ ROOFTOP ■ LIVE BARBEQUE KITCHEN**

**City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur. 83700 09993**

**:H.O.:**

- Madarsa Road Baijnathpara, Raipur. Mobile: 83700 09994

**:OUTLETS:**

- Marine Drive, Telibandha, Raipur Mo: 83570 09997

**कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी**

**पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, ट्रॉली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टैंकर, बैटरी स्पेयर, स्पेयर**

**निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग**

**सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त**

**निर्माता व विक्रेता:**

**वीनस मशीनरी**

**एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)**

**फोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000**

**लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक**

**एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी**

**सस्ते दामों में उपलब्ध**

**पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये**

**बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध**

**गौदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401**

**RAIPUR SMART BUSINESS**

**GST ITR**

**फाइल बनवाएं मात्र 500/-**

**25 वर्ष का अनुभव**

**हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।**

**संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants**

**C-74, सेक्टर- 1, जुवेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर**

**Whatsapp पर बनवाएं 9300755544, 8878655544**





## श्री साई केयर हॉस्पिटल

शिव मंदिर के पास, अंबती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)

**आपके स्वास्थ्य का भरोसा...**



**महीने के प्रत्येक सोमवार को फ्री ओपीडी**  
समय : शाम 6 बजे से 8 बजे तक

### मेडिसिन विभाग

**डॉ. जयकुमार पटेल**  
मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ  
(M.D. Medicine/Diabetes & Geriatric Care)

**उपलब्ध सेवाएँ:**

- हाइपरटेंशन (मधुमेह) उपचार
- हाई ब्लड प्रेशर (रक्त प्रवाह)
- शायरिडज विकार
- हार्ड डिजिज (हृदय संबंधी समस्याएं)
- सिस्टर व फिस्टर रोग
- पेक्करी की समस्याएं (आसमा, COPD)
- कुष्ठर व एडिमा (लिवर, टांगमाइक)
- पेट की समस्याएं (रोग, अपच, एसिडिटी)
- सामान्य रोगों की जांच व उपचार
- न्यूरोलॉजिकल समस्या (हिर बड़, हिर आदि)

### जनरल सर्जरी विभाग

**डॉ. वी.पी. सिंह**  
जनरल सर्जरी विशेषज्ञ  
(MS. General Surgery)

**उपलब्ध सेवाएँ:**

- पाइलस (बिस्तीर) का उपचार
- सिस्टर और फिस्टुला का उपचार
- हृदय सर्जरी (हृदयगल / कोमगल / हाइपरटेंशन)
- एपेंडिसाइटिस (असमा, COPD)
- गोत्र और स्टेन (पित्त की चरबी) का उपचार
- बेस्ट लिवर / टांगमाइक
- हिलन / फिस्ट / फिस्टर / फिस्टर
- हाइड्रोसेल / वरिक्कोसिटी सर्जरी
- लेजर एवं स्टेपलर की सहायता से पाइलस का इलाज

### कैंसर रोग विभाग

**डॉ. अभिलेश साहू**  
कैंसर रोग विशेषज्ञ  
(MD. Clinical Oncologist)

**उपलब्ध सेवाएँ:**

- कैंसर के रोगों का उपचार
- डायग्नोस्टिक टेस्टिंग
- हार्मोन थेरेपी
- सिस्टमिक थेरेपी-आप
- कैंसर की कीमती दवाएं
- बर्तन व सहायक उपकरण प्रबंधन
- पेशावर व सामाजिक सहायक
- कैंसर की जांच व निदान

## निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

आपका स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है, हमारा प्रयत्न जीवन बचा सकता है।

#### शिविर विवरण

डॉ. जयकुमार पटेल  
मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ  
(M.D. Medicine/Diabetes & Geriatric Care)

#### डॉ. अभिलेश साहू

कैंसर रोग विशेषज्ञ  
(MD. Clinical Oncologist)

#### डॉ. वी.पी. सिंह

जनरल सर्जरी विशेषज्ञ  
(MS. General Surgery)

**हमारी सुविधाएँ:**

- 24 घंटे अग्रिम सलाह
- कैंसर के रोगों का उपचार
- अग्रिम निदान
- पुनः पुष्टि के लिए सुविधा
- 4 विशेषज्ञों की टीम

**हमारी सुविधाएँ:**

- मेडिकली, फिजिकली
- आपका स्वास्थ्य एवं जीवन बचा
- 4 घंटे की कीमती सुविधा
- 24x7 फिजिकली और सुविधा
- 24x7 स्वास्थ्य की सुविधा
- 24x7 स्वास्थ्य की सुविधा

**आपका स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है, हमारा प्रयत्न जीवन बचा सकता है।**

**श्री साई केयर हॉस्पिटल**  
शिव मंदिर के पास, अंबती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)  
एक स्वस्थ भविष्य की ओर कदम बढ़ाएं, आपका स्वास्थ्य ही आपकी सबसे बड़ी गति है।

# अंतागढ़ में 90 सोलर खंभे तीन माह बाद भी बंद, रोशनी के इंतजार में नगरवासी

**विश्व केसरी** ■ **अंतागढ़ (डम्पी खान)**। नगर के मुख्य मार्ग को रोशन करने के उद्देश्य से लगाए गए 90 सोलर लाइट के खंभे तीन माह बाद भी चालू नहीं हो सके हैं। जुलाई में शुरू हुआ यह कार्य शुरुआती दिनों में तेजी से आगे बढ़ा, लेकिन खंभे लगाने के बाद निर्माण कार्य ठप हो गया। सोलर प्लांट अब तक तैयार नहीं होने के कारण लाइटें शोपीस बनकर रह गई हैं।

**खंभे लगे, लेकिन आगे का काम रुका**

जानकारी के अनुसार, अंतागढ़ नगर के मुख्य मार्ग पर सोलर लाइट लगाने का कार्य जुलाई में शुरू किया गया था। शुरुआत में संबंधित कर्मचारियों ने तेजी से खंभे लगाने का काम किया। इससे नगरवासियों को उम्मीद जगी थी कि जल्द ही मुख्य मार्ग रोशनी से जगमगाएगा और रात के समय आवागमन में सुविधा मिलेगी।

समय-सीमा तय की गई थी या नहीं, इसकी जानकारी भी सार्वजनिक नहीं की गई है।

**अधूरा काम छोड़कर कर्मचारी हुए नदारद** - स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि शुरुआती दौर में तेजी से काम करने के लिए

कर्मचारी अधूरा कार्य छोड़कर चले गए। इसके बाद निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ पाया। काम बंद होने का वास्तविक कारण स्पष्ट नहीं है, लेकिन लंबे समय से कार्य रुका रहने के कारण योजना की प्रगति पर सवाल उठने लगे हैं।

नगरवासियों का कहना है कि यदि खंभे लगाने के साथ ही सोलर प्लांट और अन्य तकनीकी कार्य भी पूरे किए जाते, तो अब तक सभी लाइटें चालू हो सकती थीं। लोगों ने निर्माण कार्य में देरी के कारणों की जानकारी सार्वजनिक करने और संबंधित एजेंसी की जवाबदेही तय करने की मांग की है।

**सुविधाओं से वंचित नगरवासी** - मुख्य मार्ग पर 90 सोलर खंभे लगाए जाने के बाद भी रोशनी नहीं मिलने से लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। नगरवासियों को उम्मीद थी कि सोलर लाइटें चालू होने से रात के समय आवागमन सुगम होगा और मुख्य

मार्ग पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध होगी। लेकिन काम अधूरा रहने के कारण योजना का लाभ अब तक नहीं मिल पाया है।

लोगों का कहना है कि जब खंभे लगाने का काम पूरा हो चुका है, तो शेष कार्यों को पूरा कर लाइटें चालू करने में इतनी देरी क्यों हो रही है। जनसुविधा से जुड़े कार्यों में इस तरह की लापरवाही से लोगों में नाराजगी स्वाभाविक है।

**जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर सवाल**- नगर में तीन माह से अधिक समय से सोलर लाइट योजना अधूरी पड़ी होने के बावजूद कार्य को गति देने के लिए प्रभावी पहल दिखाई नहीं देने से जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। नगरवासियों का कहना है कि जनहित से जुड़े निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करना और उन्हें समय पर पूरा करवाना जनप्रतिनिधियों का एक संवैधानिक अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

मोटाई और चौड़ाई में सुधार तो हुआ पर व्यर्थ। एक दिन भी नहीं कांटेर का काम होगा, तो वे कल परसों से 5 दिन कराया गया और सड़क को अधूरा छोड़ दिया गया है। काम एक माह से बंद है और गिट्टी रेंती सड़क के बीचों बीच रखी गई है, जिससे मोहल्ले वालों आवागमन में परेशानी हो रही है। ग्रामीण जब

# हजारों बीज संग्रहण के साथ बीज बैंक बनाने का संकल्प कर शिक्षक ने मनाया जन्मोत्सव

**विश्व केसरी** ■ **चरामा (संदीप मेथ्राम)**। बीज बैंक निर्माण के सफल संचालन के लिए हजारों बीज संग्रहण, पौधा रोपण एवं न्यूता भोजन आयोजन कर शासकीय एवं माध्यमिक विद्यालय रतेसरा के शिक्षक धर्मेन्द्र कुमार साहू ने बच्चों एवं समुदाय के साथ अपना जन्मदिन मनाया। शिक्षक नवाचारी भाव से शाला में ईको क्लब जनरेशन फॉर क्लाइमेट एक्शन कार्यक्रम गतिविधियों के तहत बीज बैंक निर्माण कर रहे हैं।

स्कूली बच्चों ने शिक्षक को जन्मदिन पर बीज और पौधा भेंट किया जहां कई किस्म के बीज संग्रहण कर बच्चों को आसपास

बच्चों को पुस्तकीय जानकारी के साथ साथ अन्य गतिविधियों से भी जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। न्यूता भोजन में बच्चों ने खीर - पुदी, सलगा बड़ा सब्जी का आनंद लिया शिक्षक ने गांव के गौठान में बरगद एवं शाला प्रॉग्राम में बादाम का पौधारोपण कर सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड का व्यवस्था किया एवं इस पौधा के संरक्षण का संकल्प लिया। शिक्षक के जन्मोत्सव को बच्चों एवं पाठक समुदाय ने धूमधाम से मनाया।

# ‘कुमार के बारात’ के प्रमोशन के लिए अंतागढ़ पहुंचे चर्चित कलाकार कुमार, लोकेश और इक्कू

**विश्व केसरी** ■ **अंतागढ़ (डम्पी खान)**। छत्तीसगढ़ी सोशल मीडिया में अपनी खास पहचान बनाने वाले सीजी मास्टर यूट्यूब चैनल के चर्चित कलाकार कुमार, लोकेश और इक्कू अपनी आगामी छत्तीसगढ़ी शॉर्ट फिल्म ‘कुमार के बारात’ के प्रमोशन के लिए अंतागढ़ पहुंचे। तीनों कलाकारों के पहुंचते ही प्रशंसकों में उत्साह देखने को मिला। उनसे मिलने, तस्वीरें खिंचवाने और सेल्फी लेने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। प्रशंसकों

से मिले स्नेह से तीनों कलाकार भी अभिभूत नजर आए।

**सोशल मीडिया पर बनाई पहचान** - कुमार, लोकेश और इक्कू, सीजी मास्टर यूट्यूब चैनल के माध्यम से बस्तर सहित छत्तीसगढ़ के दर्शकों के बीच लोकप्रिय हुए हैं। उनकी हास्यपूर्ण शॉर्ट वीडियो और रील्स को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। स्थानीय परिवेश, छत्तीसगढ़ी अंदाज और मनोरंजन प्रस्तुति उनकी वीडियो की खास

पहचान है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर उनके प्रशंसकों की बड़ी संख्या है।

**विश्राम गृह में मीडिया से की चर्चा** - अंतागढ़ स्थित विश्राम गृह में मीडिया से बातचीत के दौरान कलाकारों ने अपने सफर और आगामी शॉर्ट फिल्म को लेकर जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि वे सभी शासकीय सेवक हैं और नौकरी की जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के साथ-साथ खाली समय में वीडियो बनाकर लोगों का मनोरंजन करते हैं।

# खरगे की टिप्पणी पर भाजपा नेताओं ने जताई आपत्ति

**विश्व केसरी** ■ **दुर्गुकोंदल (सीताराम शर्मा)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दिवंगत पिता के संदर्भ में बिहार की राजधानी पटना में 25 अक्टूबर को बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले में भाजपा मंडल दुर्गुकोंदल के अध्यक्ष बिदेसिंह कल्लो एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल दुर्गुकोंदल के अध्यक्ष विकास राजू नायक ने टिप्पणी की भाषा पर आपत्ति जताते हुए सार्वजनिक जीवन में मर्यादा बनाए रखने की आवश्यकता बताई। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कार्यक्रम में खड़गे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर अपनी बात रख रहे थे। इसी दौरान सभा में मौजूद एक व्यक्ति ने कथित तौर पर कहा, ‘मोदी नहीं जाएंगा!’ इसके जवाब में खड़गे ने कहा, ‘मोदी का बाप भी जाएंगा।’ इस बयान के बाद भाजपा नेताओं ने आपत्ति जताई, जबकि कांग्रेस की ओर से टिप्पणी के संदर्भ को लेकर अलग स्पष्टीकरण दिया गया है।

# प्रमोद तिवारी बने छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन जिला कांकेर के जिला संयोजक बने

**विश्व केसरी** ■ **कांकेर (सीताराम शर्मा)**। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय निदेशानुसार जिला इकाई कांकेर का पुनर्गठन किया गया। इस अवसर पर सर्वसम्मति से प्रमोद तिवारी को फेडरेशन का जिला संयोजक निर्वाचित किया गया। निर्वाचन प्रक्रिया प्रांतीय पर्यवेक्षक टार्जन गुप्ता, प्रांताध्यक्ष, स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ तथा केदार जैन, छत्तीसगढ़ प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक में जिले में पदस्थ विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रांताध्यक्षों, फेडरेशन से संबद्ध संघों के जिलाध्यक्षों तथा जिला एवं ब्लॉक पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

# कांकेर में नाली निर्माण के दौरान हादसा महिला श्रमिक को गंभीर चोटें आई

**विश्व केसरी** ■ **कांकेर (सीताराम शर्मा)**। सोमवार को शहर के शीतलापारा वार्ड में नगरपालिका द्वारा नाली निर्माण के दौरान महिला बुरी तरह से घायल हो गई। आसपास के लोगों की मदद से घायल महिला को जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों के मुताबिक महिला का एक हाथ का पंजा बुरी तरह से घायल हो गया। शरीर में आने से पीड़ित महिला का पंजा काटने की जानकारी मिली है। वही सिटी कोतवाली पुलिस मिली जानकारी अनुसार महिला की हालत गंभीर होने के कारण महिला को बेहतर उपचार के लिए रायपुर रेफर किए जाने की सूचना मिल रही है।

बता दें कि शीतला पारा राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे नगर पालिका द्वारा नाली निर्माण कार्य चल रहा है। नाली निर्माण में ढलाई के लिए मिक्सचर मशीन को महिला श्रमिक केशरी बाई 45 वर्ष पति यशवंत साहू निवासी अलबेला पारा लाए जाया जा रहा था। इसी दौरान मशीन का बेल्ट्स बिगड़ने के कारण मशीन सहित महिला सीधे नाली

के गड्ढे में जा गिरी। मशीन की चपेट में आने के कारण महिला श्रमिक का एक हाथ का पंजा बुरी तरह कुचला गया इसके अलावा पैर हाथ कमर में गंभीर चोटें आईं। महिला सहित आसपास के मजदूरों के चीखने चिल्लाने के बाद आसपास के लोगों की मदद से पुलिस वाहन से घायल महिला को अस्पताल लाया गया। जहां महिला का इलाज शुरू किया गया। इस दौरान घायल महिला के पति यशवंत साहू ने बताया कि मेरी पत्नी का एक हाथ का पंजा लगभग खत्म हो चुका है डॉक्टरों ने बताया है कि उनका एक हाथ का पंजा अलग करना पड़ेगा जैसे जानकारी दिया गया है।

# इंद्रावती टाइगर रिजर्व में घास भूमियों के संरक्षण पर हुई कार्यशाला

**विश्व केसरी** ■ **बीजापुर (नवीन दुर्गम)**। इंद्रावती टाइगर रिजर्व में वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को बेहतर बनाने और घासभूमियों के वैज्ञानिक प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 24 एवं 25 अक्टूबर 2026 को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अधिकारियों एवं मैदानी कर्मचारियों को चारागाह विकास, देशी घास प्रजातियों के संरक्षण और उनके प्रभावी प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव), जगदलपुर उत्तम कुमार गुप्ता के निदेशानुसार तथा इंद्रावती टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक सुमेध संजय सुरवाड़े के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में चारागाह प्रबंधन विशेषज्ञ डॉ. जी. डी. मुक्तकर ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

**देशी घास प्रजातियों के संरक्षण पर**

**जोर** - कार्यशाला के दौरान चारागाह विकास एवं प्रबंधन के विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। इसमें बहुवर्षीय एवं वार्षिक खाद्य घास प्रजातियों, जंगली फलीदार वनस्पतियों और खाद्य झाड़ियों के चयन के साथ जैवभार प्रबंधन, निरीक्षण पथ एवं अग्नि रेखा निर्माण, निगरानी योजना और चारागाह विकास रजिस्टर तैयार करने की प्रक्रिया समझाई गई। इसके अलावा पांच से सात वर्ष की कार्ययोजना, बजट अनुमान, ऑपरेशन कैलेंडर तथा देशी घासों के बीज संग्रहण को मानक संचालन प्रक्रिया पर भी प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञ ने स्थानीय एवं देशी घास प्रजातियों को प्राथमिकता देने और विदेशी प्रजातियों के रोपण से बचने की सलाह दी, ताकि क्षेत्र की प्राकृतिक वनस्पतियों एवं पारिस्थितिक संतुलन को सुरक्षित रखा जा सके।

**चारागाहों की समस्याओं के समाधान पर चर्चा** - प्रशिक्षण के दौरान इंद्रावती टाइगर रिजर्व की घासभूमियों में राष्ट्रीय वनस्पतियों एवं खरपतवारों का बड़ा अतिक्रमण, घासभूमियों का सीमित विस्तार, वन्यजीवों के लिए उपयोगी घासों की कमी

और मुदा अपरदन जैसी चुनौतियों पर चर्चा की गई। इन समस्याओं के समाधान के लिए खरपतवारों को फल एवं बीज बनने से पहले हटाने, घास के बीजों के संवर्धन, काष्ठीय प्रजातियों के उचित प्रबंधन और मिट्टी के कटाव को रोकने के उपायों पर जोर दिया गया। साथ ही, जंगली फलीदार वनस्पतियों, जैसे बन तुवर एवं बन झुंझुना, की पहचान और उनके पारिस्थितिक महत्व की जानकारी भी दी गई।

**कुटरू, बीजापुर और महेड़ बफर क्षेत्रों में मैदानी प्रशिक्षण** - कार्यशाला के तहत कुटरू बफर, बीजापुर बफर एवं महेड़ बफर क्षेत्रों में मैदानी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने मौके पर घासभूमियों की स्थिति का निरीक्षण किया और विभिन्न घास प्रजातियों की पहचान तथा उनके प्रबंधन की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की।

# कांग्रेस अध्यक्ष खरगे की टिप्पणी पर सांसद महेश कश्यप ने जताई नाराजगी

**विश्व केसरी** ■ **जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)**। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके दिवंगत के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप बुरी तरह बिफर पड़े हैं। कश्यप ने खड़गे की अमर्यादित टिप्पणी को कड़ी निंदा करते हुए इसे कांग्रेस की संकीर्ण राजनीतिक सोच और गिरते राजनीतिक स्तर का परिचायक बताया है।

सांसद महेश कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति राजनीतिक विरोध अपनी जगह है, लेकिन विरोध के नाम पर उनके

दिवंगत पिता के संबंध में अपमानजनक टिप्पणी करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। भारतीय लोकतंत्र में वैचारिक मतभेदों का स्वागत है, लेकिन व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग राजनीतिक मर्यादाओं के विरुद्ध है। कांग्रेस अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर बैठे व्यक्ति से सार्वजनिक जीवन में अधिक संयम, शालीनता और जिम्मेदारी की अपेक्षा की जाती है।

सांसद कश्यप कहा कि कांग्रेस में संस्कार और अनुशासन की कमी बार बार सामने आती रही है। हाल ही में राहुल गांधी द्वारा पार्टी कार्यकर्ता को और प्रियंका वाड़ा द्वारा महिला पुलिसकर्मी के साथ कथित तौर पर कोहनी मारने की घटना जैसे प्रसंगों को लेकर उठे सवाल यह सोचने पर विवश करते हैं कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों को किस प्रकार की राजनीतिक संस्कृति का संदेश दे रहा है। सार्वजनिक जीवन में पद और प्रतिष्ठा के साथ शालीनता, अनुशासन तथा दूसरों के प्रति सम्मान भी आवश्यक है। श्री कश्यप ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकास, सुशासन और राष्ट्रहित की राजनीति कर रही है।

स्वातंत्र्यकारी गडबन्ध मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लॉट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड उल्ला रायपुर छत्तीसगढ़ व मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंघ रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय **B-87A** गांधी नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी)। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा।) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakasari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. C.THIN/26/A6251